मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जौनपुर संस्करण
मुंबई
वर्षः 7 अंक 277
मंगलवार, 29 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 71 प्रमुख हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से किया सम्मानित

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-कमें वर्ष 2025 के लिए 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। इस साल 25 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को देश के नागरिक पुरस्कारों - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री - के लिए नामित किया गया था। मुर्मू ने सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख दिवंगत ओसामु सुजुकी, प्रसिद्ध गायक दिवंगत पंकज उधास और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुशील कुमार मोदी समेत 71 प्रमुख हस्तियों को सोमवार को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। नागरिक सम्मान प्राप्त करने वाले लोग सितारों से सजे इस समारोह में शामिल हुए, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उपस्थित थे। वरिष्ठ अभिनेता एवं निर्देशक शेखर कपूर, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डी. नागेश्वर रेड्डी, वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम और तेलुगु सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण, जिन्हें बलैया के नाम से भी जाना जाता है, अन्य प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वालों में चार को पद्म विभूषण मिला - सुजुकी (मरणोपरांत), सुब्रमण्यम, रेड्डी और मलयालम लेखक एवं फिल्म निर्देशक एम.टी. वासुदेवन नायर (मरणोपरांत)। कुल 10 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इनमें पंकज उधास (मरणोपरांत), सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत), बालकृष्ण कपूर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश, तमिल अभिनेता एस. अजित कुमार, जाइडस लाइफसाइंसेज के चेयरपर्सन पंकज पटेल और भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम शामिल हैं, जिन्हें ह्यपेंटियम के जनकह्न के रूप में जाना जाता है। प्रसिद्ध पैरा एथलेटिक्स कोच डॉ. सत्यपाल सिंह को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी से पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त हुआ।

'पहलगाम मुद्दे पर पार्टी लाइन से अलग बयान न दें', कांग्रेस ने अपने नेताओं को जारी किया निर्देश

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। कांग्रेस ने सोमवार को अपने पार्टी नेताओं से पहलगाम आतंकी हमले पर ऐसी कोई टिप्पणी न करने को कहा जो इस मुद्दे पर पार्टी के आधिकारिक रुख से अलग हो। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने निर्देश दिया, पहलगाम मुद्दे पर पार्टी लाइन से अलग बयान न दें। कांग्रेस की ओर से यह आदेश ऐसे समय में आया है जब इस हमले पर पार्टी के कुछ नेताओं की टिप्पणियों ने विवाद को जन्म दे दिया है, जिसमें कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का बयान भी शामिल है। अब युद्ध की कोई जरूरत नहीं है कहने के बाद विवाद खड़ा होने के एक दिन बाद, कर्नाटक के सीएम ने रविवार को स्पष्टीकरण जारी किया। सिद्धारमैयाने अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं होना चाहिए; अगर युद्ध अपरिहार्य है, तो यह होगा। जहां कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया, वहीं भाजपा ने सिद्धारमैया पर निशाना साधते हुए उन्हें पाकिस्तान रत्न कहा। उल्लेखनीय है कि उनकी टिप्पणी को एक पाकिस्तानी समाचार चैनल ने भी चलाया। इस बीच, महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने भी यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि, सरकार को पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वे (सरकार) कह रहे हैं कि आतंकवादियों ने लोगों से (उनके धर्म के बारे में) पूछकर उन्हें मार डाला। क्या आतंकवादियों के पास यह सब करने का समय है? ... कुछ लोग कहते हैं कि ऐसा नहीं हुआ। आतंकवादियों की कोई जाति या धर्म नहीं होता।

ओटीटी, सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट प्रतिबंध की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार सहित सभी प्लेटफॉर्म को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म और प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर नोटिस जारी किया, जिसमें यौन रूप से स्पष्ट सामग्री की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई की मांग की गई है। जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि याचिका ने एक महत्वपूर्ण चिंता जताई है, लेकिन बताया कि यह मुद्दा मुख्य रूप से कार्यपालिका और विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि जैसा कि यह है, आरोप हैं कि हम विधायिका और कार्यकारी शक्ति का अतिक्रमण कर रहे हैं।

अदालत ने केंद्र, नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, उल्लू, एएलटीटी, एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य को नोटिस जारी किए। इसने उन्हें उस याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध अश्लील सामग्री के खिलाफ तत्काल नियामक उपायों की मांग की गई है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को सूचित किया कि सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत कुछ नियामक तंत्र पहले से ही मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त विनियमन सक्रिय रूप से विचाराधीन हैं। पांच याचिकाकताओं द्वारा दायर और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दलील दी गई याचिका में ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामग्री की अधिक सख्ती से निगरानी और विनियमन के लिए एक राष्ट्रीय सामग्री नियंत्रण प्राधिकरण के गठन की मांग की गई है।

थार और बुलडोजर को डराने का प्रतीक बना रही है सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ, 28 अप्रैल। अखिलेश यादव ने एक बार फिर राज्य सरकार पर आरोप लगाया है कि वह बढ़ती बेरोजगारी और असुरक्षा की ओर ध्यान न देते हुए थार और बुलडोजर के जरिए लोगों को डराने की कोशिश कर रही है। यादव समाजवादी विचारक राम मनोहर लोहिया के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध संगठनात्मक विंग लोहिया वाहिनी के सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। अखिलेश ने कहा कि हम लोकतंत्र, कानून और इस देश के संविधान पर भरोसा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में कमीशनबाजी बढ़ी है, भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं टूट चुकी हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि युवा ही संविधान की रक्षा करेंगे और आरक्षण को बचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह थार और बुलडोजर को सरकार डराने का प्रतीक बना रही है। उन्होंने दावा किया कि यह जो सांसद रामजीलाल सुमन जी पर हमला हुआ है, ये कहीं न कहीं इशारा करता है कि हमलावरों को सरकार का सहारा है। उन्होंने कहा कियुवा ही देश के संविधान और आरक्षण के अधिकार की रक्षा करेंगे। फिर भी, वे या तो रोजगार की कमी, अल्परोजगार या अनुचित वेतन से त्रस्त हैं। उन्होंने सरकार से शिक्षा के बढ़ते निजीकरण के बारे में भी सवाल किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने इसे आर्थिक रूप से कमजोर और यहां तक कि मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर कर दिया है।

जबकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कहा था कि राज्य की बेरोजगारी दर घटकर 2.4% हो गई है, यादव ने कहा कि अगर सरकार के अपने आंकड़ों के अनुसार, मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ लोगों को 36 लाख करोड़ रुपये वितरित किए गए होते, तो राज्य में एक भी बेरोजगार व्यक्ति नहीं होता। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करती है। योजना की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के तहत 5,41,012 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गई है।

यादव ने सांसद रामजी लाल सुमन पर करणी सेना द्वारा हाल ही में किए गए हमले का भी जिक्र किया और कहा कि ऐसे हमले केवल इसलिए संभव हो पाए क्योंकि इन तत्वों को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने हाल ही में एक मुद्दा उठाया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि पुलिस थानों में ठाकुरों और ऐसी ही अन्य जातियों का वर्चस्व है। आज उन्होंने कुशीनगर का उदाहरण दिया, जहां उन्होंने कहा कि वहां एक थाने के प्रभारी के रूप में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय का केवल एक सदस्य तैनात है।

राज्य के डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस बात से इनकार किया था कि राज्य में स्टेशन हाउस ऑफिसर या स्टेशन ऑफिसर के रूप में नियुक्तियों में जाति की कोई भूमिका है। हालांकि, समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि डीजीपी ने इस तरह की भेदभावपूर्ण नियुक्तियों का समर्थन किया, क्योंकि वह राज्य सरकार की सोच से सहमत हैं जो कुछ जातियों के लोगों का समर्थन करती है।

झारखंड के दुमका में पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

दुमका। झारखंड के दुमका जिले में पांच साइबर अपराधियों को लोगों से ऑनलाइन धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपियों के पास से 14 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किया गया है।

दुमका के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा, आरोपियों में से एक करीब 10 साल से साइबर अपराध में लिप्त है। उन्होंने कहा कि वे बैंक अधिकारी बनकर या फर्जी लिंक भेजकर लोगों से धोखाधड़ी करते थे। एसपी ने कहा कि उन्हें सूचना मिली कि आरोपियों ने अपनी आपराधिक आय से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की है। उन्होंने कहा, ह्यह्यउनकी संपत्ति के बारे में सूचना जुटाई जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेस्तरां में सेवा शुल्क न लगाने के आदेश के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका में उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें कहा गया है कि रेस्तरां भोजन के बिल पर अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क नहीं लगा सकते क्योंकि यह जनहित के खिलाफ है और अनुचित व्यापार व्यवहार के समान है। नेशनल रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा दायर अपील मंगलवार को एक खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध होने की संभावना है। एसोसिएशन ने एकल न्यायाधीश के 28 मार्च के फैसले को चुनौती दी है।

भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का निर्णायक जवाब दिया जाएगा : चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश, 28 अप्रैल। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते की शुरूआत में हुए आतंकी हमले के जवाब में आई है, जिसमें आंध्र प्रदेश के दो व्यक्ति सहित 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नायडू ने एक निजी कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, अगर कोई भारत में हस्तक्षेप करता है, तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिये जाएंगे। वे कुछ नहीं कर सकते। भले ही वह कोई आतंकवादी संगठन हो, वे इस देश को हिला नहीं सकते।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पहलगाम हमले जैसे बर्बर कृत्य भारत की ताकत के सामने सफल नहीं होंगे। नायडू ने भारतीयों के साहस को रेखांकित करते हुए, सभी से ऐसी चुनौतियों के मद्देनजर एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि राष्ट्र की रक्षा करने की शक्ति इसके लोगों में निहित है।

भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय मुस्कान का पर्व

-ललित गर्ग

अक्षय तृतीया 30 अप्रैल, 2025 पर विशेष

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता, जबकि तृतीया का अर्थ है ह्यचंद्रमा का तीसरा चरण। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया इस वर्ष 30 अप्रैल, 2025 को है। भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था, इसलिये भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मदिन मानते हैं। वैष्णव मंदिरों में उनकी पूजा की जाती है। महर्षि वेदव्यास ने इसी दिन से महाभारत लिखना शुरू किया था। अक्षय तृतीया के दिन महाभारत के युधिष्ठिर को अक्षय पात्र मिला था। इसकी विशेषता थी कि इसमें भोजन कभी समाप्त नहीं होता था। इसी पात्र से वह अपने राज्य के गरीब व निर्धन को भोजन देकर उनकी सहायता करते थे। इसी आधार पर मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाला दान-पुण्य का भी कभी क्षय नहीं होता है। इस दिन साधु-संतों के साथ ब्राह्मणों-गरीबों को भोजन कराकर व वस्त्र दान करने के साथ गायों को हरा चारा खिलाने का विशेष महत्व है। वहीं पक्षियों को परिंडे लगाकर दाने-पानी की व्यवस्था करने से विशेष लाभ मिलता है और भगवान श्री विष्णु की कृपा अपने भक्तों पर हमेशा बनी रहती है।

अक्षय तृतीया विवाहित या अविवाहित महिलाओं के लिए क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपने जीवन में पुरुषों की भलाई के लिए या भविष्य में

उनकी सगाई होने वाले पुरुष के लिए प्रार्थना करती हैं। प्रार्थना के बाद, वे अंकुरित चने (अंकुरित), ताजे फल और भारतीय मिठाइयां वितरित करते हैं। यह दिन किसानों, कुंभकारों एवं शिल्पकारों के लिए भी यह बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य-कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। अक्षय तृतीया पर महाराष्ट्र के लोग नया व्यवसाय शुरू करते हैं, घर खरीदते हैं और महिलाएं सोना खरीदती हैं। लोग इस त्यौहार को परिवार के साथ मनाते हैं और महाराष्ट्रीयन पूरन पोली (गुड़ और दाल के मिश्रण से भरी चपाती) और आमरस (आम की एक मोटी प्यूरी) से बने नैवेद्य जैसे भोजन का भोग लगाकर देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। ओडिशा में, अक्षय तृतीया आगामी खरीफ सीजन के लिए चावल की बुवाई के शुभारंभ के दौरान मनाई जाती है। यह दिन अच्छी फसल के आशीर्वाद के लिए किसानों द्वारा धरती माता, बैलों और अन्य पारंपरिक कृषि उपकरणों और बीजों की पूजा के साथ शुरू होता है। जगन्नाथ मंदिर के रथ यात्रा उत्सव के लिए रथों का निर्माण भी इसी दिन पुरी में शुरू होता है। तेलुगू भाषी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में यह त्यौहार समृद्धि और दान से जुड़ा है। सिंहचलम मंदिर में इस दिन विशेष उत्सव अनुष्ठान किए जाते हैं। मंदिर के मुख्य देवता को साल के बाकी दिनों में चंदन के लेप से ढका जाता है और केवल इसी दिन देवता पर लगे चंदन की परतें हटाई जाती हैं ताकि अंतर्निहित मूर्ति दिखाई दे। इस दिन वास्तविक रूप या निज रूप दर्शनम का प्रदर्शन होता है।

लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या से उनका समाधान संभव है। संभवतः इसीलिए लोग विशेष प्रकार की तपस्याएं करते हैं और तपस्या के द्वारा संसार की आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करते हैं। जैन धर्म में वर्षीतप यानी एक वर्ष तक तपस्या करने वाले साधक इसदिन से तपस्या प्रारंभ कर-के इसी दिन सम्पन्न करते हैं। यह संसार से मोक्ष की मुस्कान, शरीर को तपाने और आत्मस्थ करने का अवसर है। अक्षय तृतीया तप, त्याग और संयम का प्रतीक पर्व है। इसका सम्बन्ध भगवान ऋषभदेव के युग और उनके कठोर तप से जुड़ा होने से वर्षीतप की परम्परा चली। यह ऋषभ की दीर्घ तपस्या के समापन का दिन है। अपने आदिदेव की स्मृति में जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदायों में असंख्य श्रावक-श्राविकाएं वर्षीतप करते हैं। इस दिन देशभर में आचार्यों और मुनियों के सान्निध्य में अनेक आयोजन होते हैं। इसका मुख्य आयोजन हस्तिनापुर (जिला मेरठ- उत्तर प्रदेश) में श्री शांतिनाथ जैन मन्दिर में एवं प्राचीन नसियांजी, जो भगवान ऋषभ के पारणे का मूल स्थल पर आयोजित होता है, वहां पर देशभर से हजारों तपस्वी एकत्र होते हैं और अपनी तपस्या का पारणा करते हैं। तपस्या को जैन धर्म साधना में अत्यन्त महत्पूर्ण स्थान दिया जाता है। मोक्ष के चार मार्गों में तपस्या का स्थान कम महत्वपूर्ण नहीं है। तपस्या आत्मशोधन की महान प्रक्रिया है और इससे जन्म जन्मांतरों के कर्म आवरण समाप्त हो जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि इसकी साधना से जीवन विकास की सीख हमारे चरित्र की साख बने। हममें अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागे। यह आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा बने। अक्षय तृतीया का पावन पवित्र त्यौहार निश्चित रूप से धमाराधना, त्याग, तपस्या आदि से पोषित ऐसे अक्षय बीजों को बोने का दिन है जिनसे समयान्तर पर प्राप्त होने वाली फसल न सिर्फ पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्साह को शतगुणित करने वाली होगी वरन अध्यात्म की ऐसी अविरल धारा को गतिमान करने वाली भी होगी जिससे सम्पूर्ण मानवता सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं पीढ़ियों तक स्नात होती रहेगी। अक्षय तृतीया के पवित्र दिन पर हम सब संकल्पित बनें कि जो कुछ प्राप्त है उसे अक्षुण्ण रखते हुए इस अक्षय भंडार को शतगुणित करते रहें। यह त्यौहार हमारे लिए एक सीख बने, प्रेरणा बने और हम अपने आपको सर्वोतमुखी समृद्धि की दिशा में निरंतर गतिमान कर सकें। अच्छे संस्कारों का ग्रहण और गहरापन हमारे संस्कृति बने। तभी अक्षय तृतीया पर्व की सार्थकता होगी। सनातन धर्म में इसी दिन शादियों के भी अबूझ एवं स्वयंसिद्ध मुहूर्त रहता है और थोक में शादियां होती है। अक्षय तृतीया को आखा तीज भी कहा जाता है। अक्षय तृतीय हिन्दु पंचाग अनुसार वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते है। माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किए जाते हैं वे पुरी तरह सफल होते हैं एवं शुभ कार्यों को अक्षय फल मिलता है। साथ ही यह भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। साथ ही अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है तथा गृह प्रवेश, पदभार ग्रहण, वाहन खरीदना, भूमि पूजन आदि शुभ कार्य करना अत्यंत लाभदायक एवं फलदायी होते हैं। इतना ही नहीं अक्षय तृतीया के दिन ही वृंदावन के बांके बिहारी के चरण दर्शन एवं प्रमुख तीर्थ बद्रीनाथ के पट (द्वार) भी अक्षय तृतीया को ही खुलते हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की बौखलाहट

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री मोदी की चेतावनी के बाद पाक?िस्?तान के नेताओं में बौखलाहट है. कोई परमाणु बम ग?िराने की बात कर रहा है तो कोई भारत को खदेड़ने की धमकी तक दे रहा है. लेकिन सबसे ज्?यादा बेचैन पाक?िस्?तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ हैं. ख्वाजा आसिफ का स्काई न्यूज को दिया गया साक्षात्कार कश्मीर में जो कुछ हो रहा है, उसके संदर्भ में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'पूरे इतिहास में पाकिस्तान ने पश्चिम के लिए कई गंदे काम किए हैं। आसिफ ने अमेरिका और ब्रिटेन के लिए पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण केंद्र चलाने के कारोबार का जिक्र करते हुए कहा, हम अब उसकी सजा काट रहे हैं।

यही नहीं हर घंटे-उनके ऐसे-ऐसे बयान आ रहे हैं, जो उनकी बौखलाहट को साफ बयां करते हैं। अब उन्हें पुलवामा याद आ रहा है, लेकिन वे बालाकोट भूल गए। हम आपको पाकिस्तानी डिफेंस मिनिस्टर के लगातार अलग झ अलग बयान बता रहे हैं, जिससे साफ हो जाएगा की वो कितने परेशान हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि पूरा पाकिस्तान अपनी सेना के साथ एकजुट है। हम उसी तरह से कड़ा जवाब देंगे, जैसे हमने पुलवामा की घटना का जवाब दिया था। अगर चीजें बढ़ती हैं, तो कोई भी हमें रोक नहीं सकता है। हालांकि वे एटम बम की धमकी देना नहीं भूले। कह बैठे- अगर भारत पाकिस्तान में जंग हुई तो पूरी दुनिया के लिए खतरा होगा। स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा, अगर भारत ने कोई बड़ा हमला किया, तो हम पूरी ताकत से जवाब देंगे। यह ऑल-आउट वॉर की स्थिति बन सकती है। दुनिया को इस संभावित युद्ध से चिंतित होना चाहिए।

उनका अगला बयान चेतावनी के रूप में था कि अगर भारत पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता है, तो पाकिस्तान उसे इसकी कीमत चुकाने पर मजबूर करेगा।अलजजीरा को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान को संदेह है कि यह हमला भारत द्वारा खुद को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन हो सकता है। एक इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने लगभग 30 वर्षों तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए गंदा काम किया, जिससे देश को आतंकवाद का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने दावा किया कि भारत के कई क्षेत्रों जैसे नागालैंड, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और कश्मीर में विद्रोह चल रहा है, जो भारत सरकार के खिलाफ हैं। उनका बयान न तो पाप की स्वीकारोक्ति है और न ही पाप के लिए पश्चाताप करने वाला बयान है। आसिफ ने पश्चिमी देशों के हाथों अपने पापों को मापने के लिए साक्षात्कार के दौरान कहा। श्यहां तक कि अगर आप अब पाकिस्तान से बात कर रहे हैं, तो पाकिस्तान ने एक समय में आपके लिए बहुत कुछ किया है ... पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आपको याद दिलाते हैं कि आपने (पश्चिम) क्या किया होता अगर पाकिस्तान ने वह नहीं किया होता जो उसने किया था। इसलिए उनके बयान में एक तरह का 'बताने' वाला लहजा है। इस पर टिप्पणी करने से पहले, यह समझना महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान ने इतिहास में पश्चिम के लिए जो किया है, उस पर फिर से विचार करके भारत अलग क्यों है। जरूरी। क्योंकि पाकिस्तान एक मॉडल है कि क्या होता है जब नीति निमार्ताओं की धारणाएं सिर्फ एक भावना, घृणा के इर्द-गिर्द घूमती हैं।

1947 में अपनी स्थापना के बाद से, पाकिस्तान संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतीक रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत की सोवियत सद्भावना के विकल्प के रूप में शुरू से ही पाकिस्तान को अपनाया है, और पाकिस्तान एक राष्ट्र के रूप में एक स्वतंत्र इकाई के निर्माण को महत्व दिए बिना इस अमेरिकी दुविधा का पक्ष लेता रहा। बाद में, दिसंबर 1979 में सोवियत सेना के अफगानिस्तान में प्रवेश करने के बाद, पाकिस्तान अमेरिकी सेना का एक अघोषित आधार बन गया। वे पीछे हट गए और पाकिस्तान उस देश की धुन पर नाचता रहा। पाकिस्तान के जिया-उल-हक जैसे सैन्य राष्ट्रपति ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के वैतनिक सेवक की तरह काम किया। उस समय अफगानिस्तान में तैनात सोवियत सैनिकों को बड़ी संख्या में अफीम की लत में फंसाने के लिए अमेरिका ने कुटिल योजना बनाई और पाकिस्तान ने खुशी-खुशी उस पर अमल किया। यही कारण है कि जनरल जिया के स्विस बैंक लॉकर से सचमुच डॉलर बह रहे थे।

स्पष्ट है कि इस गैर-जिम्मेदाराना नीति ने अंततः केवल अमेरिका और पाकिस्तान को प्रभावित किया क्योंकि उन देशों में अफीम की लत की संख्या में भारी वृद्धि हुई। फिर भी पाकिस्तानी नेतृत्व का इससे कोई लेना-देना नहीं था। बाद में पश्चिम एशिया के रेगिस्तान की उथल-पुथल में भी पाकिस्तान ने बिना किसी गंभीरता से विचार किए अमेरिका को लगातार आगे बढ़ाया और साथ ही धर्म के मुद्दे पर ओसामा बिन लादेन जैसों का संरक्षक भी बन गया। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बदले में कुछ नहीं मिल रहा था। लेकिन जो उपलब्ध था वह पाकिस्तानी नेतृत्व और सेना की जेब में जा रहा था। दुनिया की कई अन्य सेनाओं की तरह पाकिस्तान की सैन्य प्रणाली भी बेहद भ्रष्ट रही है, और कई अन्य सेनाओं की तरह, यह 'देशभक्ति', 'देश के लिए बलिदान' शब्दों के तहत अपने पापों को छिपाती रही है। इसलिए, जैसा कि ख्वाजा आसिफ कहते हैं, एक देश के रूप में पाकिस्तान को इतिहास के काले कारनामों से कोई फायदा नहीं हुआ है। पहला उस समय के हमारे शासकों की दूरदर्शिता है। आज हमारी अंतरराष्ट्रीय ताकत का श्रेय निस्संदेह प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के तथाकथित सोवियत प्रेम को जाता है। ये आधे-अधूरे लोग नहीं जानते कि संयुक्त राज्य अमेरिका के तत्कालीन नेतृत्व की हठधर्मिता ने उन्हें सोवियत रूस की मदद लेने के लिए मजबूर किया। जहां तक कारखानों का संबंध है। आपको इसके लिए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी से वंचित कर दिया गया था। आज भले ही अमेरिकी ग्रीन कार्ड लाखों भारतीयों की मुक्ति का रास्ता है, और उस देश में खुशहाली का आनंद लेते हुए भारत माता का प्यार इन अमेरिकी भारतीयों का गला धड़क रहा है, अमेरिका ने अक्सर भारत के साथ कठपुतली जैसा व्यवहार किया है। नतीजतन, पंडित नेहरू और फिर लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी ने अमेरिकी लूंडा के खिलाफ रूसी भूमि का रुख किया, जैसा कि 'लैंडासी और भिद्वा डू लुंड लाओ' की शक्तिशाली रामदासी कहावत में है। न तो हमारे पूर्ववर्ती संयुक्त राज्य अमेरिका और न ही सोवियत संघ के हाथों में गए। पॉइंट। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हमारे विद्वान शासक नेहरू द्वारा निर्धारित मार्ग का अनुसरण करते प्रतीत होते हैं, प्रथम प्रधानमंत्री की महानता की पुष्टि की जा सकती है।

कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई सभी मुद्दों पर कितना असहमत है, आर्थिक स्तर पर राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों का समर्थन करने से लेकर अंतरराष्ट्रीय तटस्थता तक, पं. इस तथ्य को छिपाना मुश्किल है कि हम अभी तक नेहरू की नीतियों से खुद को दूर नहीं कर पाए हैं, ताकि हमारे शासकों के लिए अपने पूर्ववर्तियों की गलतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार करने का समय न आ गया हो। इसके लिए, विद्वान शासक निश्चित रूप से पंडित नेहरू और अन्य लोगों के ऋणी होंगे। वे उन्हें स्वीकार करने की इच्छा दिखाने के लिए पर्याप्त कृतघ्न नहीं हैं। और साथ ही, यह भी उतना ही सराहनीय है कि हमारे पूर्व नेतृत्व ने कभी भी कट्टरपंथियों को पाकिस्तानी शासकों की तरह सिर पर नहीं बैठने दिया। आज पाकिस्तान की हालत का मुख्य कारण यह है कि देश कभी भी धर्म या राजशाही के बीच की प्राथमिकताओं को तय नहीं कर सका; यह इतिहास है कि अमेरिका ने सोवियत रूस के खिलाफ पाकिस्तान को अपने पक्ष में खींचने के लिए बड़ी चतुराई से धर्म का इस्तेमाल किया। अमेरिका ने सऊदी अरब से लेकर पाकिस्तान तक कई इस्लामिक देशों से अपील की है कि वे धर्म में विश्वास न रखने वाले कम्युनिस्टों को रोकने में हमारा समर्थन करें। धार्मिक शक्ति के प्रभाव में रहने वाला पाकिस्तान का नेतृत्व अमेरिका द्वारा फेंके गए इस धार्मिक जाल में फंस गया।

जब आप आज इन देशों को देखते हैं, तो आप देख सकते हैं कि यह क्या निकला। भारत, जो इन सभी देशों के साथ स्वतंत्र हो गया, इस सभी उत्पीड़न से बच गया, इसका एकमात्र कारण यह था कि हमारे पूर्वजों ने कभी भी धर्मशास्त्रियों को अपने सिर पर बैठने की अनुमति नहीं दी थी; ऐसा इसलिए क्योंकि आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना के पीछे पाकिस्तान के शासकों का धार्मिक मन था और 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद जब अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान दोनों पर प्रतिबंध लगाए तो सऊदी अरब समेत कई देशों ने पाकिस्तान को रसद की आपूर्ति जारी रखी। हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह गलतियों को स्वीकार करने का समय है। हालांकि, 'कुछ गलतियाँ...' यह सिर्फ एक स्वीकारोक्ति नहीं है।

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली केंद्र सरकार

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों को नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का कानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते।

इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने लिए चेक एंड बैलेंस जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 74(1) यह साफ कहता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए, ऐसे मामलों में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आरएसएस-भाजपा की ओर से विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को कमजोर करने के लिए राज्यपाल की शक्तियों के दुरुपयोग को सही ठहराती है। हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति खतरनाक ढंग से बढ़ी है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति के बयानों को राजनीतिक करार देते हुए कहा कि उन्होंने आज तक किसी राज्यसभा सभापति को ऐसे बयान देते नहीं देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केवल नाममात्र की प्रमुख हैं। वे कैबिनेट की सलाह और स्वीकृति पर कार्य करते हैं। उनके पास कोई व्यक्तिगत निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती। सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए। ऐसा करना उनका अधिकार है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यूक्लियर मिसाइल तो नोटबंदी थी, तब किसी को तकलीफ नहीं हुई? दरअसल सत्तारुढ राजनीतिक दलों के राजनीतिक उद्देश्य होते हैं, जब ये संविधान के दायरे में पूरा नहीं होते तब अदालतों से टकराहट की नौबत आती है। इसकी पुनरावृत्ति निश्चित तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। ऐसे विवादस्पद मुद्दों को सभी पक्षों को मिलबैठ कर निपटाने से ही देश की संवैधानिक विविधता और एकता-अखंडता मजबूत रहेगी।

अब पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई इलाज जरूरी

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के लोकप्रिय टूरिस्ट साइट बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने जिस प्रकार से धर्म पूछकर निहत्थे, निर्दोष और मासूम पर्यटकों पर गोलियों की बौछार करके 28 हिंदुओं समेत 30 लाशें बिछा दीं, वह उनकी राक्षसी प्रवृति का परिचायक है। पहलगाम की घाटी बैसरन में बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना को अंजाम देने वाले अत्यंत निर्मम, वीभत्स और दैत्य प्रकृति आतंकवादियों को सभ्य मानव समाज के बीच रहने का कोई अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। यही नहीं, उन्हें मानव बस्तियों और समाज से दूर घने और अंधकारपूर्ण जंगलों में भी नहीं रहने दिया जा सकता, क्योंकि यदि उन्हें वहां रहने दिया गया तो जंगली जानवरों और यहां तक कि स्वयं जंगलों का भी महाविनाश निश्चित ही हो जाएगा। ऐसी परिस्थिति में यह प्रश्न किया जाएगा कि फिर वे कहां पर रहें... जाहिर है कि इस प्रश्न का केवल एक ही उत्तर हो सकता है, और वह है कि उनकी अधोगति को उर्ध्वगति में परिवर्तित कर उनका कल्याण कर दिया जाए। यानी उन्हें भी ऊपर भेज दिया जाए, लेकिन यह मामला इतना सहज भी नहीं है, क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो मानव अधिकारों की बात करने वाले लोग और संगठन उन 'राक्षसों के भी मानव आकिरों' की वकालत करना शुरू कर देंगे। इतना ही नहीं, ये उन 'राक्षसों के मानव आकिरों' की वकालत बेहद जोर-शोर से करेंगे।

ऐसा ये इसलिए करेंगे, ताकि उनकी आवाज दूर-दूर तक पहुंच सके, अन्यथा भारत के कोने-कोने तथा दूर देशों में बैठे इनके पैरोकारों, सहयोगियों और हमदर्दों से इन्हें पान-फूल और शाबाशियां कैसे मिल पाएंगी। वैसे, देखा जाए तो हम सब इनके कृत्यों के लिए इन्हें व्यर्थ ही बदनाम करते रहते हैं। वास्तव में, इसमें इनका कोई दोष भी नहीं है, क्योंकि इस प्रकार की वकालत करना तो हमेशा से ही, बल्कि कहा जाए कि इनका खानदानी व्यवसाय रहा है। ...और यही कारण है कि यह व्यवसाय इनसे छुड़ाए नहीं छूटता है। जाहिर है कि पुश्तों से 'मुंह की लगी' इतनी आसानी से कैसे छूटेगी भला। खैर, नहीं छूटती तो, न छोड़ें ये, हम इनके इस 'मुंह की लगी' को छुड़ाने का जिम्मा ले लें, यही उचित है। तात्पर्य यह कि ये अपना कार्य (अपनी वकालत) करते रहें... आतंकवादी भी (अपनी राक्षसी प्रवृति को आगे बढ़ाने का) अपना नियत कार्य करते रहें... और हम सभी 142 करोड़ भारतवासी एकजुट होकर अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से अंजाम तक पहुंचाने के लिए तत्पर रहें, ताकि इनकी 'मुंह की लगी' वकालत को भी सही राह दिखाई जाए और उनकी राक्षसी प्रवृति का समूल नाश भी किया जा सके। स्मरण रहे कि जब तक इनकी 'मुंह की लगी' और उनकी राक्षसी प्रवृति का पूरा-पूरा हिसाब नहीं किया जाएगा, वे हमारे निहत्थे, निर्दोष और मासूम लोगों के साथ धर्म पूछ-पूछकर खून की होली यों ही खेलते रहेंगे।

पहलगाम की उस बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना के बाद से ही देश की मीडिया में और राजनीतिक मंचों पर बार-बार यह बात कही-सुनी जा रही है कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की है, जबकि सच तो यह है कि पिछले 78 वर्षों से लगातार आतंकवादी धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्याएं करते आ रहे हैं। यदि हम इसे नहीं मानते, तो समझिए कि स्वयं को झूठी तसल्ली दे रहे हैं। दरअसल, यह पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रायोजित धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद है, जिसकी शुरूआत लगभग 32 वर्ष पूर्व जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ कस्बे के सरयल इलाके में एक यात्री बस से 17 हिन्दुओं को उनकी जांच-पड़ताल कर मौत के घाट उतार दिया था। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के बाद वह पहला सबसे बड़ा नरसंहार था। उसके उपरांत तो धर्म पूछकर और जांच-पड़ताल कर हत्याएं करने का जो सिलसिला जम्मू कश्मीर में शुरू हुआ, वह 136 नरसंहारों के बाद भी नहीं थमा है। हालांकि, वर्ष 2006 के उपरांत ऐसे नरसंहारों में थोड़ी बहुत कमी आई थी, लेकिन वर्ष 2023 में एक जनवरी की रात आतंकवादियों ने राजौरी जिले के डांगरी गांव में 07 हिन्दुओं के आधार कार्ड जांच कर मार डालने की घटना ने एक बार फिर अधिकारियों को चौंका दिया था।

जम्मू-कश्मीर में हुए हिन्दुओं के कुछ अन्य बड़े नरसंहारों में 13-14 अगस्त 1993 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे में सरथल-किश्तवाड़ मार्ग पर यात्री बस से उतार कर 17 हिन्दू यात्रियों को मारना, 14 मई 1995 को दोहरी भरथ में 06 हिन्दुओं की हत्या करना, 15 जनवरी 1996 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे के बरशाला क्षेत्र में 16 हिन्दुओं की हत्या करना, 12 जनवरी 1996 को डोडा जिले के भद्रवाह कस्बे में 07 हिन्दुओं की हत्या करना, 06 मई 1996 को डोडा की रामबन तहसील के सुम्बर गांव में 17 हिन्दुओं की हत्या करना, 07-08 जून 1996 को डोडा जिले के कमलाड़ी गांव में 09 हिन्दुओं की हत्या करना, 25 जून 1996 को डोडा के सियुधार क्षेत्र में 13 हिंदुओं की हत्या करना, 07 अप्रैल 1997 को कश्मीर घाटी के संग्रामपुरा गांव में 07 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 24 सितम्बर 1997 को राजौरी जिले के सवाड़ी गांव में 08 हिन्दुओं की हत्या करना, 26 जनवरी 1998 को कश्मीर के वंदहामा गांव में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 16 अप्रैल 1998 को डोडा के देस्सा क्षेत्र में 09 की हत्या करना, 17 अप्रैल 1998 को उधमपुर के प्राणकोट एवं ढाकीकोट गांवों में 29 लोगों की हत्या करना, 05 मई 199 को पुंछ के सुरनकोट क्षेत्र में 05 हिन्दुओं की हत्या करना और 06 मई 1998 को डोडा के देस्सा गांव में 11 सुरक्षा समिति के हिन्दू सदस्यों की हत्या करना शामिल है।

इनके अतिरिक्त, 19 जून 1998 को डोडा के चम्पनारी में 29 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, जिनमें 03 दूल्हे भी शामिल थे। 27 जुलाई 1998 को डोडा में किश्तवाड़ के छिन्नाठकुराई एवं श्रवण गांवों में 20 हिन्दुओं की हत्या करना, 28 जुलाई 1998 को डोडा के सरवान क्षेत्र में 08 लोगों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी जिले के बल-चराल गांव में 09 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी में कालाकोट क्षेत्र के बनियारी में 10 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 जून 1999 को अनंतनाग के संथू गांव में 12 बिहारी श्रमिकों की हत्या करना, 01 जुलाई 1999 को मेंढर के आड़ी गांव में दो हिन्दू परिवारों के 09 सदस्यों की हत्या करना, 19 जुलाई 1999 को डोडा के काठरी गांव में 05 हिन्दू परिवारों के 15 सदस्यों की हत्या करना, 28 फरवरी 2000 को पुंछ के मेंढर कस्बे में 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 फरवरी 2000 को काजीगुंड में 05 सिख ट्रक चालकों की हत्या करना, 20 मार्च 2000 को कश्मीर के छत्तीसिंह पोरा में 36 सिखों की हत्या करना, 01 अगस्त 2000 को पहलगाम में 32 हिंदुओं की हत्या करना, जिनमें 29 अमरनाथ यात्री भी शामिल थे, 02 अगस्त 2000 को डोडा के बनिहाल कस्बे के पोगल में 12 हिन्दुओं की हत्या करना तथा 02 अगस्त सन् 2000 को अनंतनाग के अच्छावल में आठ प्रवासी श्रमिकों की हत्या करना शामिल है।

इसी प्रकार, 02 अगस्त 2000 को अनंतनाग के काजीगुंड में 19 प्रवासी श्रमिकों की हत्या किया जाना, 22 नवम्बर 2000 को बनिहाल में राजमार्ग पर 05 हिन्दू-सिख ट्रक ड्राइवरों की हत्या करना, 24 नवम्बर 2000 को डोडा के किश्तवाड़ कस्बे में 05 हिन्दुओं की हत्या किया जाना, 03 फरवरी 2001 को श्रीनगर के महजूर नगर में 08 सिखों की हत्या करना, 10 मई 2001 को किश्तवाड़ के अठोली-पाडर के सजार कस्बे में 08 हिन्दुओं की गला रेत कर हत्या करना, 21 जुलाई 2001 को अमरनाथ यात्रा के पड़ाव स्थल शेषनाग में 07 तीर्थयात्रियों सहित 13. की हत्या किया जाना, 21 जुलाई 2001 को डोडा जिले के किश्तवाड़ तहसील के छात्रू क्षेत्र में 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 21 जुलाई 2001 को डोडा जिले की किश्तवाड़ तहसील के वाडवान क्षेत्र में चिरजी मोहड़ा गांव में 15 हिन्दुओं की हत्या किया जाना, 04 अगस्त 2001 को डोडा जिले के किश्तवाड़ तहसील के सरूतधार क्षेत्र में 16 हिन्दुओं की हत्या करना, 01 जनवरी 2002 को पुंछ के मगवार गांव में एक हिन्दू परिवार के 06 सदस्यों की हत्या करना, 31 जनवरी 2002 को उधमपुर के रियासी कस्बे में 04 प्रवासी श्रमिकों की हत्या किया जाना, 17 फरवरी 2002 को राजौरी के कालाकोट क्षेत्र के निराला गांव में एक हिन्दू परिवार के 08 सदस्यों की हत्या करना एवं 30 मार्च 2002 को जम्मू के रघुनाथ मंदिर पर हमला कर 08 हिन्दुओं को मौत के घाट उतार दिया जाना शामिल है।

ऐसे ही, 08 अप्रैल 2002 को उधमपुर के अरनास गांव में सात हिन्दुओं की सामूहिक हत्या करना, 14 मई 2002 को जम्मू के कालूचक में किए गए भीषण नरसंहार में 34 हिन्दुओं की हत्या करना, 15 जून 2002 को डोडा के किश्तवाड़ क्षेत्र में एक धार्मिक यात्रा पर हमला कर 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 16 जून 2002 को उधमपुर के बडर गांव में एक ही हिन्दू परिवार के 05 सदस्यों की हत्या किया जाना, 18 जुलाई 2002 को जम्मू के कासिम नगर में 29 लोगों की हत्या करना, जिनमें मरने वाले सभी प्रवासी श्रमिक थे, 06 अंगस्त 2002 को नुनवान-पहलगाम में 10 अमरनाथ श्रद्धालुओं का नरसंहार करना, 23 नवम्बर 2002 को रघुनाथ मंदिर पर हुए दूसरा आत्मघाती हमला कर 14 हिंदुओं की हत्या किया जाना, जिनमें 11 नागरिक, 01 सुरक्षाकर्मी एव 02 आतंकवादी शामिल थे, एक अन्य आतंकी हमले में जम्मू में 15 पुलिसकर्मियों और 02 नागरिकों की हत्या करना, 23 मार्च 2003 को कश्मीर के पुलवामा जिले में शोपियां के पास नाड़ीमर्ग गांव में आतंकवादियों द्वारा 24 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना तथा 30 अप्रैल 2006 को उधमपुर के बसंतगढ़ में 07 हिन्दुओं और डोडा के कुलहान इलाके में 22 हिन्दुओं की हत्या किया जाना शामिल है। दरअसल, उन आतंकवादियों की फितरत ही यही है। वे हमेशा से पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रायोजित धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद के अंतर्गत ऐसे ही योजनाएं बनाकर हिंदुओं की हत्याएं करते आए हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री, अन्य मंत्रियों, संत्रियों, आर्मी अफसरों, फौजियों आदि की मौजूदगी में हिंदुओं के विरूद्ध जहरीली तकरीर दी थी। उसने हिंदुओं को मुसलिमों से बदतर बताया तथा धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद के लिए पाकिस्तानी फौज एवं आतंकवादियों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया था, जिसके महज कुछ ही दिनों के भीतर उसके पाले-पोसे कुत्तों ने पहलगाम के लोकप्रिय टूरिस्ट साइट बैसरन घाटी में 28 हिंदुओं का कत्लेआम कर दिया। इससे पहले, 14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ के काफिले पर हुआ पुलवामा अटैक भी इसी जनरल मुनीर ने कराया था, जबकि हम उनके आतंकियों को मारकर अपनी पीठ थपथपाते रहे। पता नहीं हम इस बात को क्यों नहीं समझ पाते हैं कि हिंदुओं की हत्याओं का ये सिलसिला तब तक नहीं रूकने वाला, जब तक कि पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई ईलाज नहीं किया जाएगा। इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि हम समस्या की जड़, यानी भारत और 142 करोड़ भारतीयों के वास्तविक दुश्मन को पहचानें। वह दुश्मन पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल मुनीर है, मसूद अजहर और हाफिज सईद जैसे आतंकी नहीं। ये आतंकी तो महज उसके प्यादे हैं, जिनका उपयोग कर पाकिस्तान बार-बार भारत की आत्मा को लहूलुहान करता रहता है। जाहिर है कि हमें भी अब अपना एजेंडा बदलना होगा। हमें पाकिस्तानी पंजाबी फौजियों का खून बहाना होगा, ताकि उन्हें उस जगह पर चोट लगे, जहां उन्हें सबसे अधिक दर्द होता है। यकीन मानिए, यदि हमने ऐसा कर दिया तो उनका सही, पक्का और स्थाई इलाज हो जाएगा। इसलिए बिना देर किए भारत सरकार और एजेंसियों को पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई ईलाज करने में जुट जाना चाहिए।

अंधेरी विधानसभा में परशुराम जयंती का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अँधेरी विधानसभा में सकल हिन्दू समाज की ओर से परशुराम जयंती का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में शामिल अजय चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष व मुम्बई भाजपा सचिव अजय तिवारी ने बताया कि ऐसा आयोजन अँधेरी विधानसभा के इतिहास में पहली बार हुआ है और इससे हिन्दू समाज मे एकता व अखंडता का संदेश जाता है और इसका पूरा श्रेय मेरे छोटे भाई शुभम दुबे को जाता है ।जिन्होंने अथक प्रयास करके आयोजन को सफल किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अंधेरी पूर्व विधानसभा के विधायक मुरजी भाई पटेल (काका) और सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के अलावा इस आयोजन में शिवसेना (उबाठा) गुट के प्रमोद सावंत ,प्रमोद पांडेय ,नितेश तिवारी ,पदमाकर सिंह , कृष्णा तिवारी ,अनिकेत चौबे ,मुम्बई भाजपा सचिव इन्द्रशेन उपाध्याय ,साहबलाल चौबे ,विनोद मिश्रा , शंकर मिश्रा व अन्य लोग मौजूद थे । महिला टीम में प्रियंका मुंगेकर ,ज्योति शिरसेकर ,रजनी पाटिल, गीता दरवेशी ,शकुंतला यादव ,मनीषा यादव, साधना मिश्रा, साधना दुबे ,तृप्ति मिश्रा, मीना दुबे,प्रभावती यादव , व हजारों की संख्या में मौजूद महिलाओं ने हिस्सा लिया।

बी एन एन कालेज के प्राचार्य डॉ. अशोक वाघ का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल संस्था द्वारा संचालित शहर के सबसे पुराने बीएनएन कॉलेज में दस वर्षों से प्राचार्य के पद पर कार्यरत अशोक वाघ का सेवानिवृत्त कार्यक्रम बडे उत्साह के साथ संपन्न किया गया । बतादें कि अशोक वाघ 33 साल की सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं । उक्त अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विजय जाधव, कार्यकारी अध्यक्ष बीडी काले के तत्वावधान में डॉ. अशोक वाघ को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर मुख्य सचिव आरएन पिंजारी, एडवोकेट रोहित जाधव, उपप्राचार्य डा. सुवर्णा रावल, उपप्राचार्य एवं समन्वय समिति के समन्वयक डा. सुधीर निकम, डॉ. सुरेश भदरगे, डॉ. निनाद जाधव, आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. शशिकांत म्हालुंकर, उप प्राचार्य डी. एल. अहिरे, प्रबंधक नरेश शिरसाले सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक, शैक्षणिक कर्मचारी और पूर्व छात्र उपस्थित थे । संस्थाध्यक्ष विजय जाधव ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि एक शिक्षक का सच्चा पेशा उन लाखों विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक पढ़ाना है जो निरंतर ज्ञान अर्जित करते रहते हैं । यदि कोई शिक्षक आजीवन शिक्षक है तो वह कभी सेवानिवृत्त नहीं होता । पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव, भारतीय समाज उन्नति मंडल के अध्यक्ष विजय जाधव ज्ञान देने का काम करते रहते हैं । पद्मश्री अन्ना साहेब जाधव के विचारों से प्रेरित होकर सेवानिवृत्त शिक्षक ही इस संस्था को चलाने में सहयोग करते हैं । अण्णासाहेब जाधव के सपनों को साकार करने के लिए डॉ. अशोक वाघ ऐसे ही एक व्यक्ति हैं जिन्होंने कॉलेज की अच्छी व्यवस्था की है । संस्था के कार्याध्यक्ष बी डी काले ने कहा कि डा. अशोक वाघ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में कॉलेज को 'ए' ग्रेड का मानांकन मिली थी । डॉ. अशोक वाघ ने प्राचार्य के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान कॉलेज के सभी कर्मचारियों से मिले प्यार के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य का पदभार उप प्राचार्य प्रो. डॉ. सुवर्णा रावल को सौंपा गया । सेवा संपूर्ति समापन समारोह का उद्घाटन किया गया । बी.टी. वेतन, प्रो. नीलम सेन ने प्रो. संजय सोनावणे को धन्यवाद दिया ।

चाकू की नोंक पर लूटपाट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर दो बदमाशों ने सड़क पर चाकू की नोंक पर लूटपाट की। भर रास्ते में, दो युवक एक नौजवान को चाकू दिखाकर लूट रहे थे। युवक ने मदद के लिए जोर-जोर से चिल्लाना शुरू किया। उसकी आवाज सुनकर एक और युवक उसकी मदद के लिए आगे आया। लेकिन बदमाशों ने उसके गले पर भी चाकू रख दिया और उसे भी लूट लिया। जो भी लोग मदद के लिए आगे बढ़ रहे थे, उन्हें भी इन बदमाशों ने चाकू दिखाकर डराने की कोशिश की। चाकू की धाक से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। करीब आधे घंटे के बाद पुलिस मौके पर पहुँची। नागरिकों की सतर्कता से दोनों लुटेरे पकड़े गए। पकड़े गए युवकों के नाम तेजस देवरुखकर और सुजित थोरात हैं। दोनों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस घटना के बाद डोंबिवली शहर में नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया है।

डिजिटल जंजाल में फँसता बचपन विषय पर 'सामाजिक समागम 2025' में 'बचपन बचाओ' का लिया गया संकल्प

मुंबई(उत्तरशक्ति)। नमो नमो मोर्चा भारत, हरियाणा' के तत्वावधान में 'सामाजिक समागम 2025 - संवाद' का भव्य आयोजन वैश्य धर्मशाला, सेक्टर-4, गुरुग्राम में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। ₹डिजिटल जंजाल में फँसता बचपन सेव चाइल्डहुड को केंद्रीय विषय बनाते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से प्रमुख सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों, अभिभावकों एवं बच्चों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के शहीद मासूम एवं निहत्थे हिन्दू पर्यटकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर माहौल को भावुक बना दिया गया। मधुर सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम ने गति पकड़ी, जिसके बाद जिलाध्यक्ष अनुराग कुलश्रेष्ठ ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत कर अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं हरियाणा सरकार की पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा, ₹आज तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग समय की आवश्यकता है। यदि बचपन को बचाना है तो राष्ट्र की रक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी।₹ उन्होंने बच्चों में मोबाइल और डिजिटल साधनों के संतुलित उपयोग पर बल दिया। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सोपान उंडे पाटील ने 'नमो नमो मोर्चा' के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए युवाओं और महिलाओं से सामाजिक विकास में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने बच्चों के हाथों में अनियंत्रित मोबाइल उपयोग को एक गहरी

सामाजिक चुनौती बताते हुए इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान छेड़ने की घोषणा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, विश्वविख्यात जादूगर सम्राट शंकर ने अपनी विशिष्ट शैली में बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाकर प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया, जिसे सभी ने खूब सराहा। कार्यक्रम अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक दिवाकर ने डिजिटल माध्यमों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा, ₹मोबाइल गेम्स के माध्यम से बच्चों में हिंसा, प्रतिस्पर्धा और साइबर अपराध जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं।₹ उन्होंने अभिभावकों से संवाद, संस्कार और समय देने का आग्रह किया तथा डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भावनाओं का संचार कार्यक्रम के दौरान विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी प्रस्तुत की गईं। लोकेश चौधरी की कविता 'लौटा दो बचपन', एडवोकेट सीमा कश्यप का पावर पॉइंट प्रजेंटेशन 'एक संवाद', और बच्चों द्वारा मंचित नृत्य नाटिका ' सेव द चाइल्डहुड' ने उपस्थित' जनों को भावविभोर कर दिया। प्रतिभागी बच्चों को स्मृति चिह्न एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीम से सत्य प्रकाश सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष), सोपान उंडे पाटील (राष्ट्रीय संगठन महामंत्री), मीना मूर्ति (राष्ट्रीय महिला कार्यकारी अध्यक्ष), उदयकुमार रेंगास्वामी (राष्ट्रीय मंत्री), संगीता खन्ना (दिल्ली प्रदेश ट्रस्ट अध्यक्ष), राजश्री कक्कड़ (राष्ट्रीय महिला महामंत्री, हरियाणा), रेणु गुप्ता (हरियाणा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष), रचना रोहिल्ला (प्रदेश संगठन मंत्री), प्रदीप कुब्बा (प्रदेश मंत्री), राखी शर्मा (प्रदेश मीडिया प्रभारी), रीना यादव (प्रदेश महिला सचिव), अनुराग कुलश्रेष्ठ (जिला अध्यक्ष) एवं नलिनी अग्रवाल (महिला जिलाध्यक्ष) सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। सांस्कृतिक गौरव संस्थान से मनोज गुप्ता (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) एवं सुभाष चंद्र सिंगला (हरियाणा प्रदेश प्रधान), समग्र हिंदू सेवा संघ से महावीर भारद्वाज (राष्ट्रीय संयोजक), ब्रह्म प्रकाश (प्रदेश अध्यक्ष), कृष्णा भारद्वाज (प्रदेश कोषाध्यक्ष), विश्व हिंदू परिषद से सुरेंद्र तंवर (जिला अध्यक्ष) एवं यशवंत शेखावत (जिला मंत्री) सहित अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

विधायक विश्वनाथ भोईर के निधि से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

चेतन निर्मल संवाददाता

कल्याण (उत्तरशक्ति)। प्रभाग क्रमांक २३ फ्लॉवर वैली के जय संतोषी माता एवं न्यू श्रीकृष्ण दर्शन सोसायटी में गटर और पानी की पाइपलाइन डालने के कार्यों का भूमिपूजन समारोह शिवसेना के विधायक विश्वनाथ भोईर के हाथों संपन्न हुआ। विधानसभा चुनाव में मुझे मजबूत समर्थन और भारी मतदान देनेवाले तमाम बेतुरकरपाड़ा परिसर के नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए, बेतुरकरपाड़ा में आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन इस अवसर पर विधायक विश्वनाथ भोईर ने उपस्थित नागरिकों को दिया। इस अवसर पर शिवसेना उपनेते विजया पोटे, शहर प्रमुख रवी पाटील, पूर्व नगरसेवक जयवंत भोईर, अरविंद पोटे, युवासेना भिवंडी लोकसभा विस्तारक सुचेत डामरे, युवासेना जिला समन्वयक सूरज खानविलकर, शाखा प्रमुख रविंद्र चौधरी, चेतन म्हामुणकर, कोमल म्हामुणकर, उमेश झुटे समेत शिवसेना पदाधिकारी, शिवसैनिक, युवासैनिक, महिला आघाडी तथा परिसर के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

चंद्रसेन सोनावाले की चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ पद पर नियुक्त

सांसद श्रीकांत शिंदे के हांथो दिया गया नियुक्ति पत्र

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के निष्ठावान एवं सक्रिय शिवसैनिक चंद्रसेन मच्छिंद्र सोनावाले को पार्टी नेतृत्व ने कल्याण शहर चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ एवं डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन के कल्याण शहर प्रमुख के पद पर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के लिए उन्हें बधाई दी जा रही है। विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के गरीब लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का व्यापक अनुभव रखने वाले चंद्रसेन सोनावाले को शिवसेना चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ के माध्यम से राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं पार्टी के प्रमुख नेता श्री एकनाथजी शिंदे के मार्गदर्शन में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे द्वारा चंद्रसेन सोनावाले को नियुक्ति पत्र प्रदान कर नियुक्त किया गया। शिवसेना चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ एवं शिवसेना चिकित्सा सहायता

प्रकोष्ठ के केंद्रीय कार्यालय द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के आदेशानुसार, गरीब, जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अस्पतालों में (10%) आरक्षित बेड उपलब्ध कराना, मानदंड को पूरा करने वाले गरीब मरीजों की सर्जरी पूरी तरह से मुफ्त या रियायती दर पर करने में सहायता करना, साथ ही महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों की मुफ्त सर्जरी करने में उचित मार्गदर्शन प्रदान करना,गंभीर एवं महंगी सर्जरी करवाने वाले गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को पर्याप्त आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री चिकित्सा सहायता कोष, मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष, श्री सिद्धिविनायक ट्रस्ट, टाटा ट्रस्ट आदि विभिन्न ट्रस्टों के माध्यम से सहायता प्राप्त करने के लिए, यह नियुक्ति महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि इससे जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने में काफी मदद मिलेगी। शिवसेना मेडिकल सहायता प्रकोष्ठ के संस्थापक . मंगेश नरसिंह चिवटे संस्थापक तथा अध्यक्ष रामहरि भीमराव राऊत के हस्ताक्षर से यह नियुक्ति पत्र दिया गया है। इस नियुक्ति के समय जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, पूर्व शिवसेना शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आलमारी तोड़कर सोने-चांदी के गहने उड़ाए

दिन दहाड़े की घटना, चोरों के हौसले बुलंद

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण ग्रामीण के दीवा पूर्व स्थित मुंबा देवी कॉलोनी के रॉयल रेजिडेंसी बिल्डिंग में शुक्रवार शाम चोरों ने दिनदहाड़े चोरी कर लिया। समीर तिवारी के घर में शाम सात बजे उस समय चोरी हुई जब परिवार के सदस्य छत पर टहलने के लिए गए थे। चोरों ने घर में घुसकर अलमारी से लगभग 37 ग्राम सोने और चांदी के गहने चुरा लिए। चोरी हुए गहनों में 10 ग्राम और 9.5 ग्राम की दो चेन, 10 ग्राम का मंगलसूत्र, 4 ग्राम की अंगूठी और 3 ग्राम के कान के रिंग शामिल हैं। इन गहनों की मौजूदा बाजार कीमत लगभग 3.50 लाख रुपये बताई जा रही है, हालांकि पुलिस द्वारा दर्ज मामले में कीमत पुराने मूल्य के अनुसार दर्शाई गई है। चांदी के गहनों का सटीक मूल्यांकन नहीं हो

पाने के कारण उसे शामिल नहीं किया गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने थाने का चक्कर लगाया, लेकिन पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज नहीं की। अंततः वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद दो दिन बाद केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इलाका निवासियों का कहना है कि छुट्टियों के दौरान जब कई लोग गांव चले जाते हैं, तब ऐसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। पुलिस की ढिलाई और लगातार हो रही चोरियों से लोगों में भय और आक्रोश दोनों गहराते जा रहे हैं।

निकॉन ने नवीनतम फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा 'Z5II' पेश किया

मुंबई। निकॉन इंडिया प्रा. लि. ने अपने नवीनतम फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा Z5II को पेश करते हुए इमेजिंग के क्षेत्र में अपनी गुणवत्ता और बेहतर तकनीकी क्षमताओं के प्रति अपना भरोसा दोहराया है। यह कैमरा रचनात्मकता को और निखारने के लिए तैयार किया गया है, जो पेशेवर प्रदर्शन और आधुनिक तकनीक का बेहतरीन मेल प्रस्तुत करता है। Z5II वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के क्षेत्र में नए और अनुभवी दोनों तरह के क्रिएटर्स को हर माहौल में एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है।

निकॉन इंडिया प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक श्री सज्जन कुमार ने कहा, Z5II के साथ, निकॉन एक बार फिर प्रोफेशनल फोटोग्राफी के स्तर को ऊँचा कर रहा है और बेहतरीन तकनीक को सभी क्रिएटर्स के लिए आसान बना रहा है। यह कैमरा वीडियोग्राफर्स और फोटोग्राफर्स को ऐसा उपकरण देता है जिसमें स्मार्ट डिजाइन, शानदार इमेज क्वालिटी और बेहतर कंट्रोल शामिल है। खासकर वीडियोग्राफर्स के लिए इसमें तेज और सटीक ऑटोफोकस, कम रोशनी में बेहतरीन प्रदर्शन और N-RAW और N-Log जैसे एडवांस्ड वीडियो फॉर्मेट का सपोर्ट मौजूद है, जो इसे हर तरह के डायनामिक शूट के लिए उपयुक्त बनाता है। 'Truly Together' की सोच के साथ तैयार किया गयाZ5II उन क्रिएटर्स के लिए है जो हर फ्रेम में लचीलापन और परफॉर्मेंस चाहते हैं।

इस अक्षय तृतीया सोनाटा पेश करते हैं सोनाटा गोल्ड वॉचेज; सोने के उपहार को दिया नया आयाम

मुंबई/पटना। भारत में घड़ियों के सबसे पसंदीदा ब्राण्ड सोनाटा लेकर आए हैं सोनाटा गोल्ड- सोच-समझ कर डिजाइन किया गया स्टाइलिश कलेक्शन जो हमारे लिए गोल्ड यानि सोने के अनुभव को पूरी तरह से बदल देगा। सोनाटा गोल्ड, सोने के प्रति आपके लगाव को दशार्ने का नया और बोल्ड तरीका है- जो न सिर्फ परम्परा का साथ निभाएगा, बल्कि आपका अपना स्टाइल स्टेटमेन्ट भी बन जाएगा।

अक्षय तृतीया का त्योहार आ रहा है, जिसे समृद्धि एवं सकारात्मक शुरूआत का प्रतीक माना जाता है, इसी के मद्देनजर पेश किया गया कलेक्शन सोनाटा गोल्ड, सोने के उपहार को नया दृष्टिकोण प्रदान करता है।

कांदिवली में सर्व धर्मी और सर्व दलीय प्रार्थना सभा में पहलगाम में मारे गए निष्पाप नागरिकों को दी गई श्रद्धांजलि

कांदिवली (उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए बर्बर हमले में मारे गए निष्पाप नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कांदिवली में सर्व धर्मी और सर्व दलीय प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

पंचशील प्रतिष्ठान ट्रस्ट की ओर से पूर्व मंत्री विजय (भाई) गिरकर के मार्गदर्शन में कांदिवली के समता क्रीडा भवन में आयोजित इस सर्व धर्मी और सर्वदलीय प्रार्थना सभा में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी सहित विभिन्न धर्मों के धर्म गुरुओं ने उपस्थित रहकर उस दुःखद घटना में मारे गए पर्यटकों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने अपनी बांह पर काला फीता बांधकर उस दुःखद घटना पर शोक प्रकट किया।

इस प्रार्थना सभा में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ - साथ फादर एन्जोलो, बुद्ध भंते लामा, भंते कश्यप, बोहरा समाज के अमीन साहेब, शेख जुझरभाई बोरीवाला, जैन समाज के मुनिवर्य प.पू. पारिजात विजय महाराज, वैष्णव समाज के पूज्यपात १०८ श्री. गोपीशकुमार महाराज, सिख समाज के मनमोहन सिंह और सन्तोक सिंह उपस्थित थे। इन सभी ने दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर देश में शांति, एकता और मानवता का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गणेश खणकर, शिवसेना विभागप्रमुख विशाखा मोर्ये, शाखाप्रमुख प्रकाश गिरी, कॉंग्रेस जिला उपाध्यक्ष मिलिंद शिर्के, राष्ट्रवादी कॉंग्रेस की स्मिता बेंद्रे, पंचशील प्रतिष्ठान ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय बाविस्कर, पूर्व नगरसेवक दिपक (बाळा) तावडे, पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव,. प्रतिभा गिरकर सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सर्व धर्मीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इंद्रियों को वश में कर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहने वाला ही है गोपी : कथावाचक अमरकृष्ण जी महाराज

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर से (पू.) ग्राम पंचायत बेटेगाँव अंतर्गत रुपरजत पार्क ग्राउंड में श्रीराम जानकी सेवा संस्था (रजि.) द्वारा आयोजित संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का 22 अप्रैल से सायं से देर रात तक प्रतिदिन श्री वृन्दावन से पधारे कथावाचक आचार्य अमर कृष्ण जी महाराज के मुखारविंद से बड़ी संख्या में श्रोतागण रसमयी कथा का अमृतपान कर रहे हैं।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान के छठे दिवस रविवार 27 अप्रैल को कथावाचक आचार्य अमर कृष्ण जी महाराज ने श्रीकृष्ण व गोपियों के प्रसंग की कथा, कंस वध, उद्धव के साथ राधा व गोपियों के प्रसंग की कथा, रुक्मिणी संग श्रीकृष्ण विवाह प्रसंग की कथा का बड़े ही सुन्दर तरीके से वर्णन किया। कथावाचक आचार्य अमर कृष्ण जी महाराज ने कहा कि लोग श्रीमद् भागवत कथा पुराण के शब्दों को गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं अथवा गलत अर्थ निकाले हैं। जब श्रीमद् भागवत कथा पुराण में लिखित एक-एक शब्द गूढ़ मरमों से भरा पड़ा है। लोग गोपियों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के संबंध को कई तरीके से देखते हैं। जब कि गोपी का वास्तविक अर्थ सभी इंद्रियों को वश में कर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहने वाला होता है। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहने वाला स्त्री, पुरुष दोनों ही गोपी कहलाएंगे। उन्होंने कहा कि लोग रासलीला शब्द का भी गलत तरीके से अर्थ निकालते हैं, जब कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन की प्रत्येक लीलाओं को रासलीला कहते हैं। कथावाचक आचार्य अमर कृष्ण जी महाराज ने कंस वध, उद्धव के साथ राधा व गोपियों के प्रसंग की कथा, रुक्मिणी संग श्रीकृष्ण विवाह प्रसंग की कथा का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। इस दौरान कथावाचक आचार्य अमर कृष्ण जी महाराज के मुखारविंद से अमृतमयी श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ रसपान कर श्रोतागण मंत्रमुग्ध दिखाई दिए। पंडाल में उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा कथावाचक आचार्य अमर कृष्ण जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करने के पश्चात सामूहिक महाआरती की गई तथा श्रीराम जानकी सेवा संस्था की ओर से सभी श्रोताओं को प्रसाद भेंट किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन श्रीराम जानकी सेवा संस्था के संस्थापक बृजेश चंद्र पाण्डेय, अध्यक्ष संजय ठाकुर, सचिव पंकज पाण्डेय, कोषाध्यक्ष सुरेश पाण्डेय, राजेन्द्र छीपा, राजेश झा और उत्सव समिति की अर्चना ठाकुर, सुभ्रता दास, माया गढ़ पाण्डेय, कविता मंडेलवाल, अनुष्का कुलकर्णी, रीना पटेल आदि के विशेष सहयोग से किया जा रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सरायख्वाजा पुलिस व एसटीएफ लखनऊ ने हत्या के मुकदमे में वाछिंत 50 हजार रुपये के इनामिया आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में मु0अ0सं0 369/2024 धारा 137(2) बी.एन.एस. तरमीमी धारा-103(1),61(2), 140(2) बीएनएस से सम्बन्धित वाछिंत/इनामिया आरोपी को गिरफ्तार किया गया, मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित आरोपीगण द्वारा पूर्व नियोजित योजना के तहत अपने अन्य अज्ञात साथियों से वाट्सअप काल पर वार्ता कर उनके सहयोग से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित मृतक आदर्श राजपूत का अपहरण दिनांक 28.9.2024 को करवाया गया तथा मृतक के फोन से ही, उसके निकटजनों से कुछ पैसे प्राप्त हो जाने की प्रत्याशा में मैसेज किये गये, पर आरोपियों की भविष्य में पहचान उजागर हो जाने के डर से दिनांक 28/29.09.2024 को ही आदर्श सिंह राजपूत को जनपद अम्बेडकर नगर कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र में नहर में डुबोकर हत्या कर दिया गया। आरोपीगण 1.प्रदीप कश्यप पुत्र लाला सिंह कश्यप उर्फ लीडर कश्यप निवासी गंधार गेट किला थाना परीक्षितगढ़ जिला मेरठ, 2.रवि प्रजापति पुत्र त्रिभुवन प्रजापति निवासी ग्राम मल्हनी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर, 3.आरिफ अहमद पुत्र जमील अहमद निवासी अतरौरा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर का अन्तर्गत धारा 103(1)/ 61(2)/140(2) बीएनएस में गिरफ्तार कर चालान मा0 न्यायालय किया जा चुका है। अभियोग उपरोक्त से सम्बन्धित शेष वाँछित आरोपी इरफान पुत्र असगर निवासी नसरूद्दीनपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र 25 वर्ष जो अभी फरार चल रहा था । जिसको प्र0नि0 सरायख्वाजा के नेतृत्व में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम व एसटीएफ लखनऊ टीम द्वारा संयुक्त रुप से दिनांक 27.04.2025 को कोठवार से जमुहाई जाने वाली रोड पर चाँदी गहना मोड पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। जिसको आवश्यक विधिक कार्यवाही कर आरोपी उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

हिंदू मुसलमानों ने एक साथ बुलंद किया आतंकवाद व पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा

व्यापार मंडल, सर्व वैश्य समाज व मुस्लिम संगठनों ने कैंडल मार्च निकाल कर की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर हिंदू और मुस्लिम संगठनों ने कैंडल मार्च निकाल कर आतंकवाद व पाकिस्तान का पुतला फूंका और काली पट्टी बांधकर सड़कों पर उतरकर पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए पुतला दहन किया।सर्व वैश्य समाज के सलाहकार आलोक गुप्ता पिंटू, अध्यक्ष राजकुमार ऊमरवैश्य, व्यापार मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता, इंजी उमाशंकर गुप्ता, अंजुमन रिफाउल मुस्लमीन के सदर तहसीमुल हक बन्ने, पूर्व सभासद आजम राईन के नेतृत्व मे रविवार की देर शाम कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च में आतंकवाद मुदार्बाद व पाकिस्तान मुदार्बाद के जमकर नारे लगाए और पहलगाम में हुए आतंकी हमले की मजम्मत की गई। कैंडल मार्च में शामिल हिंदू मुस्लिम के लोगों ने एक हाथ में जलती मोमबत्ती तो दूसरे हाथों में तिरंगा लेकर आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। हाजी मेराज, मौलाना फहद, अंसार राईन व अफजाल अहमद आदि ने पाकिस्तान के झंडे को जलाकर देश में शांति और सद्भाव की अपील की। कैंडल मार्च पुरानी सब्जी मंडी से शुरू होकर नगर मुख्य चौराहे पर पहुंचा जहां पर पाकिस्तान का पुतला फूंका गया। कैंडल मार्च रोडवेज परिसर में पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई। इस दौरान राजकुमार जायसवाल काजू, पूर्व चेयरमैन शिव गोविंद साहू, संदीप केसरी, शिवकुमार लल्ला, आलोक गुप्ता पिंटू, उमाशंकर गुप्ता, ब्यापार मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता, रंजीत भोजवाल व राजकुमार ऊमरवैश्य नेता ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सभी धर्मों के लोगों को एकजुट होकर लड़ने की आवश्यकता है। आतंकी हमले में सम्मिलित लोगों को फांसी देने और पीड़ित परिवारों को शहीद का दर्जा देकर न्याय दिलाने की मांग की। अंजुमन सदर तहसीलमुलहक, पूर्व सभासद आजम राईन, तमजीद अशरफ व हाजी मेराज, मौलाना फहद, सरवर चौधरी आदि ने कहा कि आतंकी हमलें की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद का क्रूर चेहरा है जो मानवता को शर्मसार करने वाला है। पूर्व चेयरमैन शिव गोविंद साहू, नीलम गुप्ता, गणेश सभासद, दीपू मोदनवाल, मनीष केशरी, विपिन जिम्मी, योगेश जायसवाल, अफसर राईन, मो हुसैन, मौलाना अब्दुल वहीद, फरहान आलम, मो कैफ, डॉ इमरान, असलम, मो अख्तर, हाजी निसार अहमद, शिव प्रसाद सीके, मनीष भोजवाल, बैजनाथ साहू, संदीप केशरी, सुरेश चंद सोनी, हीरालाल भोजवाल, दीपक शर्मा, शिवकुमार लल्ला, विश्वनाथ जायसवाल, राजीव जायसवाल, ज्ञान तिवारी, मृत्युंजय पांडे, ज्ञान केसरी, जय श्रीवास्तव व सुमित आदि लोग मौजूद है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद का सम्मान समारोह हुआ सम्पन्न

आतंकी हमले में दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद द्वारा आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा रहे।मिश्रा जी के जौनपुर आगमन के उपरांत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों की स्मृति में आयोजित शोक सभा में प्रतिभाग कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके पश्चात आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद प्रत्येक पीड़ित पत्रकार के साथ मजबूती के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है। संगठन का मुख्य उद्देश्य पीड़ित पत्रकारों के सुख-दुख में सहभागिता निभाना है। चाहे वह परिषद से संबद्ध हो अथवा नहीं।मिश्रा 28 अप्रैल, सोमवार को लखनऊ से प्रस्थान कर जौनपुर पहुंचे, जहां वाजिदपुर तिराहे पर उनका भव्य स्वागत संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। इस मौके पर जिले के विभिन्न अखबारों और चैनल के पत्रकारों के साथ साथ समाज के अलग अलग क्षेत्र में अपने सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान देने वाले गण मान्य लोगों को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्रम दे कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में देश भक्ति गीत से राहुल गुप्ता ने एक अलग शमा बांधी,कार्यक्रम का सफल संचालन सलमान शेख ने किया। कार्यक्रम के अंत में परिषद के जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन की प्रतिबद्धताओं को पुनः दोहराया। इस मौके पर मुख्य रूप से रियाजुल हक, विशाल सोनी, आफताब आलम, जितेंद्र बहादुर उर्फ संजय सिंह, इजहार हुसैन, मोहम्मद हारून, डॉ.इम्तियाज अहमद, रवि केशरी, सोनू गुप्ता, मो.अल्ताफ, अभिषेक पटेल, हिमांशु विश्वकर्मा, गंगेश निगम, राहुल गुप्ता, रवि सिन्हा, संजय सिंह, कलीम सिद्दीकी, अनवर हुसैन, कपिल देव सिंह, संतोष कुमार, कोमल यादव, राजेश गौतम, अमित तिवारी, मनीष श्रीवास्तव, शशिकांत मौर्य, सिकंदर, मोइ्न हारून, आबिश इमाम, असलम खान आदि मौजूद रहे।

संस्थापक स्व.ठाकुर राम आश्रय सिंह की स्मृति में दो अति आधुनिक स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना

चन्दवक,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आज श्री गिरिजा शरण इण्टर कालेज मुर्खा डोभी जौनपुर के पूर्व छात्र स्वतंत्र कुमार सिंह 'सहायक पुलिस आयुक्त उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा के कर कमलो द्वारा विद्यालय के संस्थापक स्व.ठाकुर राम आश्रय सिंह के पुण्य स्मृति में वैदिक मंत्रों के साथ दो अति आधुनिक स्मार्ट कक्षाओं का उद्घाटन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि स्वतंत्र कुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त उत्तर प्रदेश, मुख्य अतिथि के सहयोगी एवं उनके सहपाठी नीरज कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि भूतपूर्व प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ.सत्यदेव सिंह गणेश राय पी जी कॉलेज डोभी, आज के सभा अध्यक्ष डॉ नरसिंह बहादुर सिंह, प्रो.जय सिंह बिलासपुर छत्तीसगढ़, विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेश कुमार सिंह, प्रवीण कुमार सिंह ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डोभी, लालगंज ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि उद्धव सिंह उर्फ सोनू सिंह के पिता कुंवर बहादुर सिंह, समाजसेवी मुकेश कुमार सिंह डोभी उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं एवं छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ नाटक, गीत, नृत्य प्रस्तुत किया गया। मिथिलेश कुमार सिंह के सहयोग एवं योगदान के द्वारा कार्यक्रम सुचारु से सफल हुआ उक्त अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक कृपा शंकर सिंह, प्रमोद सिंह प्रेम बहादुर सिंह, चंद्रशेखर सिंह, रामाश्रय यादव सभाजीत यादव श्याम बिहारी शुक्ला, उदय प्रताप सिंह, दिनेश सिंह राघवेंद्र सिंह राजेश्वर सिंह सभाजीत विश्वकर्मा मुरली प्रजापति अमन सिंह एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग, स्वयंसेवक /सेविकाएं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूजा कार्य वैदिक मंत्रों के साथ विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक श्याम बिहारी शुक्ला एवं राम प्रसाद मिश्रा के द्वारा किया गया।संचालन विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक प्रेमनाथ सिंह के द्वारा किया गया।

अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट के नए कार्यकारिणी की हुई घोषणा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक धार्मिक और चिकित्सकीय सेवा कार्यो में अग्रणी संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट के नए सत्र 2025 की नई कार्यकारिणी की घोषणा रविवार शाम शहर के एक हाल में किया गया। जिसमें आगामी सत्र के पदाधिकारियों का चयन टी डी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य और ट्रस्ट परिवार के संरक्षक डॉ समर बहादुर सिंह, और बीएड विभागाध्यक्ष टी डी कॉलेज और संरक्षक डॉ अजय दूबे के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। डॉ समर बहादुर सिंह ने ट्रस्ट परिवार के द्वारा कार्यो के विवरण के साथ किस तरह से कार्य ट्रस्ट परिवार के रहा है और आगे कैसे करेगा उसका पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया।डॉ अजय दूबे ने कहा कि जिस प्रकार से अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार समाज में सबकी मदद करने के साथ एक विशेष स्थान बनाया है वह काबिले तारीफ है। इसके लिए सभी ट्रस्ट परिवार बधाई का पात्र हैं, ट्रस्ट के द्वारा तीन समितियों का गठन किया गया। जिसमें चिकित्सा समिती की अध्यक्ष डॉ.अंजू कनौजिया सचिव डॉ शैली निगम, शिक्षा समिति के अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सचिव मीना यादव, बदलापुर तहसील के अध्यक्ष केशव सिंह समाजसेवा समिति की अध्यक्ष मीरा अग्रहरी, सचिव अर्चना सिंह के नामों की घोषणा की गई। इसके साथ संरक्षक के रूप में डॉ.तेज सिंह, डॉ शकुंतला यादव, डॉ. रॉबिन सिंह, अरुण कुमार सिंह, रीता जायसवाल का नाम घोषित किया गया। नए सदस्यों के रूप में साधना मौर्या, पूनम सिंह, नीलम मिश्रा, सीमा मिश्रा, रेनु अग्रहरी, क्षमा सिंह, बबीता सिंह स्वप्निल श्रीवास्तव, पायल किन्नर, शालू किन्नर, कनक सिंह, ज्ञान चंद गुप्ता, अंकित गुप्ता, आदित्य गुप्ता, राहुल जायसवाल, अंकित जायसवाल, पिंकी मौर्या, सरोज गुप्ता, राजन गुप्ता, हर्षित तिवारी, शिवांगी खरे, मीना गुप्ता, अनुराधा श्रीवास्तव, अनुपमा अग्रहरी, डॉ.रश्मि मौर्या मीना गुप्ता के पद की घोषणा किया गया। कार्यक्रम का आभार नागेन्द्र सिंह और राधिका सिंह ने किया।

अंतर्जनपदीय शातिर चोर तमंचा संग गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस ने सोमवार को टिकरी कला नहर की पुलिया से एक अंतर्जनपदीय शातिर चोर और हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने एक तमंचा मय कारतूस बरामद किया है। मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय भेज दिया गया। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि पकड़े गए शातिर चोर का नाम सुभाष हरिजन पुत्र करिया हरिजन निवासी ग्राम गरोठन है। थाना सरपतहां के चोरी के एक मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस को इसकी काफी दिनो से तलाश थी। स्थानीय थाने का यह हिस्ट्रीशीटर है। इसके विरुद्ध जिले के स्थानीय थाना, कोतवाली, सरायख्वाजा, खुटहन, सरपतहां, गौराबादशाहपुर, मुंगराबादशाहपुर, चंदवक समेत आजमगढ़, अंबेडकरनगर के विभिन्न थानों में कुल चालीस मुकदमे दर्ज हैं।

पांच वर्षीय मासूम के साथ अश्लील हरकत, आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे के ताड़तला मोहल्ले में रविवार शाम एक मंदिर के पास खेल रही पांच वर्षीय बच्ची के साथ एक युवक द्वारा अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। मोहल्ले के लोगों ने मौके पर आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ले की कुछ मासूम बच्चियां मंदिर परिसर में खेल रही थीं। इसी दौरान सैयदअलीपुर निवासी खुर्शीद आलम उर्फ मोहम्मद हमजा पुत्र हमीद उल्ला वहां पहुंचा और एक बच्ची को बहला-फुसलाकर मंदिर के पीछे एकांत स्थान पर ले गया, जहां उसने अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। बच्ची के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने तत्काल आरोपी को जफराबाद थाने ले जाकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष जयप्रकाश यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट तथा अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बच्ची का चिकित्सीय परीक्षण कराते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश व्याप्त है।

अब रात में जगमग रहेंगी वाराणसी की सड़कें, बिजली जाने पर भी चहुँओर रहेगा उजाला

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अब रात के वक्त बिजली जाने के बाद भी सड़कों पर अंधेरा नहीं होगा। मुख्य मार्गों पर सोलर ऊर्जा से संचालित लाइटें लगाई जा रही हैं, जो सौर उर्जा से रात के वक्त जलती रहेंगी। ऐसे में लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी। दरअसल, शाम अथवा रात के वक्त बिजली जाते ही स्ट्रीट लाइटे भी बंद हो जाती हैं और अंधेरा छा जाता है। ऐसे में लोगों को दिक्कत होती है। लोग गाड़ियों की लाइटों की रोशनी के सहारे आवागमन करने को विवश हो जाते हैं। अंधेरे में हादसों और अप्रिय घटनाओं की भी आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में प्रशासन ने मुख्य मार्गों पर सोलर लाइटें लगवाने का निर्णय लिया है।पहले चरण में वरूणा नदी से नदेसर, जेल रोड, कचहरी से अंबेडकर पार्क तक और सौर ऊर्जा से संचालित स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इन लाइटों के बीच में बिजली से जलने वाली लाइटें भी लगाई गई हैं। ये लाइटें अंधेरा होते ही जल जाएंगी और सुबह सूर्य की रोशनी फैलते ही अपने आप बंद हो जाएंगी।

रंगे हाथ धराया जेबकतरा, दैहिक समीक्षा के बाद पुलिस को सौंपा

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कई दिनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आये मरीजों और तीमारदारों के जेब पर हाथ साफ करने करने वाला जेब कतरा आखिर पब्लिक के लग ही गया। सोमवार को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रतिदिन के भांति मरीज और उनके साथ आये तीमारदार अपने अपने मरिजों की दवाएं और ओपीडी में व्यस्त थे।सोमवार का दिन होने के नाते भीड़ भी अधिक थी। तभी दवा वितरण कक्ष के पास एक जेब कतरा एक मरीज के पेंट के पीछे के पॉकेट से जेब को काटते हुए किसी ने रंगे हाथों धर दबोचा बस फिर क्या था।मौजूद मरीज और तीमारदारों ने जमकर दैहिक समीक्षा की।लोगों के काफी समझाने बुझाने के बाद लोगों ने उसे छोड़ कर पुलिस को सूचना दिया और पूरे मामले से अवगत कराया।

हरी झंडी दिखाकर चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल व अधिशासी अधिकारी सना सगीर ने किया कूड़ा वाहनों को रवाना

सड़क गली दरवाजे पर न फेंकें कूड़े: चेयरमैन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल व अधिशाषी अधिकारी सना सगीर ने हरी झण्डी दिखाकर डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाली टीम को कूड़ा वाहनों को समस्त वार्डों में रवाना किया। केराकत नगर पंचायत में आने वाले भवनों दूकानों होटलों अस्पतालों कारखानों से 28 अप्रैल सोमवार से प्रतिदिन डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्यक्रम का शुभारंभ कर दिया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल व विशिष्ट अतिथि अधिशासी अधिकारी सना सगीर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पंचायत केराकत को कूड़ा निस्तारण हेतु नगरपंचायत ने एम आर एफ सेन्टर पर मशीनें लगवा दीं गई है। अब घर घर से सूखा व गीला कूड़ा उठाने का कार्य अक्षत कार्पोरेट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ की कम्पनी के जिम्मे सौंपा गया है ।आगे उन्होंने नें नगर वासियों ने अपील करते हुए कहा कि नगर को साफ सुन्दर बनाये रखने के लिए कूड़े को सड़क गली व दरवाजे पर न फेंके।कूड़ा सिर्फ कूड़ा गाड़ी में ही फेकने की अपील की है। इन मौके पर गीला व सूखा कूड़ा रखने हेतु अलग अलग डस्टवीन भी वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कार्पोरेट के डायरेक्टर ए एस राठौर ने बताया कि अभी वार्डों में लगभग 100 अलग अलग कूड़ा रखने हेतु डस्टवीन चेयरमैन साहेबा द्वारा वितरित किया गया है। और आगे भी वितरण का कार्यक्रम चलता रहेगा।साथ ही नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला नालापार वार्ड में बनें सार्वजनिक शौचालय का भी चेयरमैन एवं अधिशासी अधिकारी द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर सभासद फिरोज खॉन, सभासद संजय बाबा, के साथ अन्य वार्डों के सभासद गण उपस्थित रहे।लिपिक अजय कुमार निषाद, कम्प्यूटर आपरेटर अमित कुमार साहनी, नगर की सम्मानित जनता एवं समस्त सुपरवाइजर मौजूद रहे।कार्पोरेट के मैनेजर मुख़्तार अहमद खॉन ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खड़े ट्रक में टकराई बाइक, पति की मौत, पत्नी घायल, मची अफरा तफरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर आजमगढ़ हाईवे पर केशवपुर गांव के पास रविवार को देररात खड़े ट्रक में पीछे से बाइक के टकराने से बाइक सवार पति पत्नी घायल हो गये।दोनों घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। जहां डाक्टरों ने पति को मृत घोषित कर दिया। जबकि पत्नी की हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। घटना के बाद से अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के कारणों की छानबीन शुरू कर दी। पड़ोस के लोग बताते हैं कि जौनपुर आजमगढ़ हाईवे पर इस समय काफी गाड़ियां सड़क किनारे खड़ी कर दिए जाते हैं।वैवाहिक कार्यक्रमों के इस दौर में हर रोज सड़क पर हादसे हो रहे हैं। लेकिन स्थानीय पुलिस इन वाहनों को सड़क से हटाने में कोई भी दिलचस्पी नहीं लेती। जानकारी के अनुसार गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव निवासी मोहम्मद रफीक अपनी पत्नी बदरुन्निसा को बाइक से लेकर जौनपुर शहर किसी काम से गए हुए थे। देर रात को कामकाज निपटा कर जब वह वापस घर लौट रहे थे। जौनपुर आजमगढ़ हाईवे पर केशवपुर गांव के पास पहुंचे थे कि सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा भिड़े। रात में काफी अंधेरा था सामने दूसरी तरफ से कोई भारी वाहन आ रहा था। इस दौरान तेज रोशनी के चलते उन्हें सड़क पर खड़े वाहन का पिछला हिस्सा दिखाई नहीं दिया। जिससे रफीक बाइक लेकर भारी वाहन के पिछले हिस्से में घुस गए। हादसे की आवाज सुनकर पास पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने दोनों लोगों को खींचकर वाहन से बाहर निकाल कर यूपी अप 112 को फोन करके एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया गया।जहां देखते ही डॉक्टर ने रफीक को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गयी।

विधि विधान के साथ बैंकिंग कार्यो का शुभारम्भ

अल्ताफ कादरी

रॉबर्ट्सगंज,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चुर्क मोड़ छपका के समीप नवनिर्मित भवन में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक पर्सनल बैंकिंग शाखा का शुभारंभ पूरे विधि विधान के साथ भारतीय स्टेट बैंक रॉबर्ट्सगंज मुख्य शाखा प्रबंधक सौरभ श्रीवास्तव, भारतीय स्टेट बैंक पर्सनल बैंकिंग शाखा प्रबंधक सुश्री श्वेता जायसवाल जी व वरिष्ट सहायक/रोकड़ अधिकारी सारंग देव सिंह के द्वारा संपन्न किया गया। विद्वान पुरोहित पंडित आशुतोष तिवारी जी द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन संपन्न कराया गया।इस शुभ अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक पर्सनल बैंकिंग शाखा वरिष्ठ सहायक व रोकड़ अधिकारी सारंग देव सिंह जी बताया कि भारतीय स्टेट बैंक सदैव अपने ग्राहकों की सेवा में अग्रणी रही है व बेहतर सेवा देने हेतू वचनबद्ध है। एक नई ऊर्जा व आधुनिक व्यवस्थाओं साथ हम नवीन भवन अपने सभी सम्मानित ग्राहकों को बेहतर से बेहतर बैंकिंग सेवाओं हेतु संकल्पित हैं व नित नए आयामों व योजनाओं के साथ सम्मानित ग्राहकों की बेहतर सेवा हेतु प्रयासरत हैं। इस अवसर पर मोहित श्रीवास्तव,आलोक कुमार सिंह, रीता शुक्ला, नित्या रॉय, अमन कुमार पांडेय, अभिषेक बहेरा, सौमिल शाहू समेत अन्य सहायक बैंक कर्मी भी मौजूद रहें।

आवश्यकता है

श्रीराम यादव बालिका महाविद्यालय प्रतापनगर बरंगी, शाहगंज, जौनपुर (उत्तर प्रदेश) सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत (01 प्राचार्य पद), हिन्दी (01), भूगोल (01), प्राचीन इतिहास (01), शिक्षा शास्त्र (01), गृह विज्ञान (01), समाज शास्त्र (01), उर्दू (01) पदों की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान उत्तर प्रदेश शासन यू0जी0सी0 एवं विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार निर्धारित होंगे इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की सत्यापित प्रतियाँ, चार पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल नम्बर के साथ के विज्ञापन प्रकाशन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबंधक के पद नाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें, साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष के माध्यम से दी जाएगी।

प्रबंधक- सुरेन्द्र प्रताप यादव
मो0नं0 9956705411, 8009766617

आवश्यकता है

सुमन महाविद्यालय खालिसपुर, बदलापुर, जौनपुर उ0प्र0 (सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर) में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत प्राचार्य (01) पद एवं स्नातक स्तर पर कला संकाय एवं विज्ञान संकाय में हिन्दी (01), संस्कृत (01), भूगोल (01), राजनीति शास्त्र (01), समाज शास्त्र (01), गृह विज्ञान (01), शिक्षा शास्त्र (01), गणित (01), भौतिक विज्ञान (01), रसायन विज्ञान (01), जन्तु विज्ञान (01), वनस्पति विज्ञान (01) पदों की आवश्यकता है योग्यता एवं वेतनमान उ0प्र0 शासन यू0जी0सी0 एवं विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार निर्धारित होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की सत्यापित प्रतियाँ, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल नम्बर के साथ के विज्ञापन प्रकाशन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबंधक के पद नाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें, साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष के माध्यम से दी जाएगी।

प्रबंधक- श्री जगन्नाथ यादव
मो0नं0 9899228814

दस रुपए वाला माँ शीला क्लिनिक का तृतीय वर्धापन दिवस मना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मनोज राजन नाथानी-मनराज प्रतिष्ठान द्वारा चल रहे माँ शीला क्लिनिक 10 रुपये वाला क्लिनिक का तृतीय वर्धापन सोहळा का कार्यक्रम अयोजित किया गया। रविवार सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे कार्यक्रम कच्छी विसा ओसवाल जैन हॉल, कुर्ला कोर्ट के सामने एल.बी.एस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम) मुंबई में आयोजित किया गया। इस अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजना किया गया। जो 401वां निःशुल्क चिकित्सा शिविर है। निःशुल्क जांच जैसे की आँखों की जाँच, कैलोस्ट्राल, थाइरोइड, दांत, दमा, ई सी जी जांच के साथ मुफ़्त औषधे वितरण की गई और भी अन्य सुविधाएं रखी गई थी। आम जनता के लिए मुख्य अतिथि के रुप मे बृहन्मुंबई महानगरपालिका उद्यान अधीक्षक जितेन्द्र परदेशी के साथ उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंह, उन्नति जगदाले मैडम, जगन्नाथ सर, अजय शुक्ला, अशोक रावत सहित अन्य लोगो और बहुत से पत्रकार बंधु भी मौजुद रहे।

पहल्गाम हमले के खिलाफ वर्क चैरिटेबल ट्रस्ट का मौन प्रदर्शन

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। हाल ही में कश्मीर के पहल्गाम में हुए दर्दनाक हमले के विरोध में, मुंबई के वर्क चैरिटेबल ट्रस्ट ने मीरारोड (यूनियन बैंक के सामने) एक मौन प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शाम 5 से 6 बजे तक चला, जिसमें मीरारोड, नालासोपारा, मुंब्रा और नागपाड़ा से आए कई लोगों ने भाग लिया। इस मौन प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य था शांति का संदेश फैलाना और यह दिखाना कि हिंसा का जवाब प्रेम, एकता और संवेदनशीलता से दिया जा सकता है। खास बात यह रही कि इस प्रदर्शनी में छोटे-छोटे बच्चे भी बढ़-चढ़कर शामिल हुए। उन्होंने अपने नन्हे हाथों में शांति और मानवता के संदेश वाली तख्तियां थामी थीं।

कार्यक्रम के दौरान राह चलते कई स्थानीय लोग भी इस प्रदर्शनी से प्रभावित होकर इससे जुड़ गए। उन्होंने भी मौन रहकर अपना समर्थन व्यक्त किया। प्रदर्शनी का माहौल इतना प्रेरणादायक था कि कई लोगों ने वर्क ट्रस्ट के इस प्रयास की खुले दिल से सराहना की। लोगों ने कहा कि आज के समय में, जब नफरत फैलाने की कोशिश हो रही है, ऐसे शांति पूर्ण संदेशों की समाज को सख्त जरूरत है। हम शांति चाहते हैं₹, हिंसा का कोई धर्म नहीं₹, और इंसानियत सबसे ऊपर जैसे संदेशों ने इस प्रदर्शनी को गहरी भावनात्मक शक्ति प्रदान की।

ट्रस्ट का यह संदेश सबके दिलों तक पहुंचाः

जब सतयुग शुरू होगा, भारत विश्वगुरु बनेगा। इस पवित्र उद्देश्य के साथ, वर्क चैरिटेबल ट्रस्ट समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया कि जब समाज प्रेम, एकता और शांति के पथ पर एकजुट होता है, तो सबसे बड़ी ताकत इंसानियत बनती है। वर्क चैरिटेबल ट्रस्ट का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बना रहेगा।

रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने किया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हाजीपुर (उत्तरशक्ति)। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से इंडस्ट्रियल एरिया, बेल्ट्रॉन भवन स्थित न्यू जील फैशन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में न्यू जील फैशन के सैकड़ों कर्मचारियों ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया। जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की टीम ने शिविर में लोगों को वजन, ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर, ईसीजी एवं डॉक्टर परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई। मौके पर उपस्थित क्लब की अध्यक्ष सोनल जैन ने कहा कि ग्रामीण सेवा योजना के अंतर्गत चल रहे इस मेगा प्रोजेक्ट के तहत लोगों को मुफ्त इलाज और चिकित्सा परामर्श देना हमारी पहली प्राथमिकता है। इस शिविर में सहयोग करने के लिए मैं जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का धन्यवाद करती हूँ जिसके वजह से लोगों ने जांच करवाकर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दिखाई है। मौके पर जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सक एवं सहयोगियों सहित रोटरी क्लब ऑफ मिलेनियम के असिस्टेंट गवर्नर आशीष बंका, पूर्व अध्यक्ष चिंतन जैन, सचिव डॉ. अमिताभ बंका, कोषाध्यक्ष सीए अभिषेक लोहिया, निशांत गांधी, शिशिर लोहिया, अनुराधा सर्राफ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कोदहू की सृष्टि त्रिपाठी बनी जिले की तीसरी टॉपर -

प्रेम चंद मिश्रा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर की स्थानीय क्षेत्र के कोदहू ग्राम पंचायत के निवासी इंद्रजीत त्रिपाठी की सुपुत्री सृष्टि त्रिपाठी को जौनपुर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त कर जौनपुर जिले की तीसरी टॉपर बनी । सृष्टि त्रिपाठी मुंगरा बादशाहपुर के बालिका हिंदू इंटर कॉलेज की छात्रा है सृष्टि त्रिपाठी ने इंटर की परीक्षा में 500 पूर्णांक में 460 अंक प्राप्त करके जिले में तीसरा स्थान प्राप्त कर टॉपर बनी और मुंगरा बादशाहपुर का गौरव बढ़ाया। मां माया त्रिपाठी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बिटिया पर मुझे गर्व है। आशा करती हूं कि भविष्य में भी परिवार और समाज तथा देश का नाम रोशन करती रहेगी ।

संत शिरोमणि श्री गोरा कुंभार की 708वीं पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। पनवेल नवी मुंबई में शनिवार 26 अप्रैल को कुंभार /प्रजापति समाज के आराध्य दैवत संत शिरोमणि श्री गोरा कुंभार (गोरोबा काका) की 708वीं पुण्यतिथि संत श्री गोरा कुंभार प्रतिष्ठान सामाजिक संस्था कुंभारवाडा पनवेल द्वारा श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। गोरोबा काका के मंदिर में सुबह से पूजा, अर्चना, मूर्ति का अभिषेक, पूजन व सार्वजनिक आरती के साथ शुरू हो गई थी। दिन भर भक्तों का आना-जाना और दर्शन करना लगातार जारी था। शाम को भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया था। शाम को सार्वजनिक आरती के समय बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजकों द्वारा समाज के विशिष्ट महानुभावों का सम्मान भी किया गया। समाज के मेधावी छात्रों का भी सम्मान किया गया है। इस अवसर पर प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी.प्रजापति ,रायगड जिला सचिव इंदर प्रजापति आदि सदस्यों ने भी भाग लिया। आयोजकों द्वारा महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया था जिसका लाभ भक्त जनों ने लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। आयोजकों में किरण गंगाराम कलवेकर (अध्यक्ष), रितेश सदाशिव पनवेलकर (कार्याध्यक्ष), प्रसाद राजेंद्र पनवेलकर (उपाध्यक्ष), एडवोकेट आशीष विजय पनवेलकर (सचिव), नरेंद्र गोपीनाथ पनवेलकर (कोषाध्यक्ष) सहित कमेटी के सभी सदस्यों ने भाग लिया और आयोजन को सफल बनाया।

पारस एचएमआरआई अस्पताल द्वारा 'ओरल कैंसर से बचाव के लिए दो मिनट की जांच' मुहिम शुरू

पटना (उत्तरशक्ति)। हेड एंड नेक कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर पटना स्थित पारस एचएमआरआई अस्पताल ने मर्क स्पेशियलिटीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर ह्यओरल कैंसर सुरक्षा के लिए दो मिनट की पहलह्ल एक अभियान की शुरूआत की हैं। इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य ओरल कैंसर के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण पाना है। अभियान की शुरूआत के मौके पर अनिल कुमार (जोनल डायरेक्टर, पारस एचएमआरआई पटना), डॉ. अभिषेक आनंद (कंसल्टेंट एवं एचओडी-मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ.शेखर केसरी (चीफ कंसल्टेंट- रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), मनीष गुरुदत्ता, युनिट हेड, रामअवतार जंगीद, जीएम ऑपरेशन, नीरज कुमार फाइनेंस कंट्रोलर एवं मेडिकल स्टाफ की टीम उपस्थित थी। भारत को हेड एंड नेक कैंसर की राजधानी कहा जाता है। क्योंकि, भारत में हर साल दो लाख से ज्यादा लोग हेड एंड नेक कैंसर के शिकार होते हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। 2022 में, सिर्फ होंठ और मुंह के कैंसर के 1 लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे। यदि बाकी हेड एंड नेक कैंसर के उप-स्थलों को जोड़ें, तो यह कुल पुरुषों में होने वाले कैंसर के 20 से 25 प्रतिशत मामलों के बराबर हो जाएगा। दुर्भाग्यवश भारत में 60 से 70 प्रतिशत मरीजों का कैंसर तीसरे या चौथे स्टेज में पता चलता हैं।

पटना स्थित पारस एचएमआरआई के जोनल डायरेक्टर अनिल कुमार ने कहा कि, पारस ए चा ए म आ र आ ई अस्पताल में हम बेहतरीन कैंसर इलाज और मरीजों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। यह दो मिनट की जांच वाली मुहिम लोगों को जल्दी जांच करने और बीमारी को समय पर निदान करने के लिए जागरूक करती है। हमारा मकसद इलाज के साथ-साथ बीमारी को रोकने के लिए भी काम करना है। मेडिकल ऑन्कोलॉजी कंसल्टेंट एवं एचओडी डॉ. अभिषेक आनंद ने कहा कि, भारत में हेड एंड नेक कैंसर सबसे आम है। इनमें मुंह, गला और आवाज वाली जगहों के कैंसर शामिल हैं। ओरल कैंसर बहुत तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि लोग लक्षणों को पहचान नहीं पाते और खुद जांच नहीं करते। जैसे ब्रेस्ट कैंसर के लिए सेल्फ-एग्जाम को लेकर जागरूकता है, लेकिन ओरल कैंसर के मामले में ऐसी तत्परता नहीं है। लगभग 65 प्रतिशत मरीज देर से डॉक्टर के पास आते हैं, जिससे उपचार में देरी होती है। समय रहते इलाज न होने के कारण मरीज की मृत्यु भी हो सकती हैं। इसलिए हर महीने सिर्फ दो मिनट शीशे के सामने खुद की जांच करने से कैंसर जल्दी पकड़ में आ सकता है और इलाज करना आसान हो सकता है।

डॉ.आनंद ने कहा कि, यह मुहिम लोगों को हर महीने दो मिनट की जांच करने के लिए प्रोत्साहित करती है। जांच के दौरान मुंह में सफेद या लाल धब्बे, न भरने वाले घाव, असामान्य खून आना, दांतों का हिलना, गले या जबड़े में सूजन, आवाज में बदलाव जैसी चीजें देखें। अगर कुछ गलत लगे तो बिना देर किए डॉक्टर से मिलें।

जिलाधिकारी के द्वारा एचडीएफसी बैंक शाखा जेसीज चौराहा का औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा एचडीएफसी बैंक शाखा जेसीज चौराहा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अंतर्गत लंबित प्रार्थना पत्रों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। 56 लंबित आवेदनों के ससमय निस्तारण न होने पर नाराजगी व्यक्त की गई। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के संबंध में जितने भी आवेदन आए हैं उसमें तत्काल प्राथमिकता पर कार्य करते हुए ऋण वितरण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके द्वारा युवाओं को नया उद्यम स्थापित करने का अवसर प्राप्त होगा तथा जनपद की सीडी रेशियो में भी वृद्धि होगी। जिलाधिकारी ने मुद्रा ऋण योजना के अंतर्गत कितने लोगों को ऋण वितरित किया गया है। उक्त संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और प्रबंधक को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए अन्यथा की दशा में कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने आवेदकों से दूरभाष के माध्यम से फीडबैक भी लिया। साथ ही अग्रणी जिला प्रबंधक को सभी बैंकों में लंबित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के आवेदनों के शीघ्र निस्तारण करने तथा स्वीकृत ऋण के शीघ्र वितरण हेतु निर्देश दिए।

पेट्रोल पंप कर्मी की संदिग्ध हालत में मौत कि खबर मिलते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के डाल्हनपुर एक पेट्रोल पंप कर्मी की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रकरण में आत्महत्या है अथवा हत्या इसको लेकर चर्चाए तेज हो गयी है। डाल्हनपुर स्थित एक पेट्रोल पंप पर सरायख्वाजा के बङऊर गांव निवासी राधेश्याम बिन्द का 23 वर्षीय पुत्र प्रेमचंद बिन्द रात में पेट्रोल पंप पर था। लेकिन भोर में पेट्रोल पंप कर्मियों ने बताया कि नीम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को जमीन पर पाया। सूचना पर सुबह परिजन भी पहुंच गए। परिजनो ने साजिशन हत्या का आरोप लगाना शुरू किया। जिसके बाद जिले से फोरेंसिक टीम पहुंचकर घटना स्थल से साक्ष्य लिया, जिसमे मृतक के पास कटी रस्सी चप्पल व अन्य सामग्री एकत्रित कर लिया और जांच पड़ताल में जुट गई। वही पेट्रोल पंप कर्मियों का कहना है कि यह रस्सी सहारे फांसी लगाया था। जिसको हम लोग ने रस्सी काटकर शव को पहले उतार दिया। परिजनो का कहना था कि जब उसकी फांसी लगाने पर मौत हुई तो शव नीचे क्यो था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रकरण आत्महत्या और हत्या के बीच है। परिजनों का कहना है साजिशन हत्या की गई है।

नालासोपारा पूर्व ओसवाल नगरी में श्री मद्भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व ओसवाल नगरी नाका लोटस बिल्डिंग के सामने निस्वार्थ सहायता फाऊंडेशन व माया फाऊंडेशन के तत्वावधान में सप्त दिवसीय श्री मद्भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। 27 अप्रैल 2025 रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ हुए कार्यक्रम का समापन 4 मई को यज्ञ, हवन व महाप्रसाद के साथ पूणार्हुति होगी। सप्त दिवसीय ज्ञान यज्ञ के कथा व्यास पू.गरूणेश जी महराज अयोध्या वासी है। बता दें कि धर्मनगरी के रूप में तेजी से प्रसिद्ध हुए नालासोपारा में धार्मिक अनुष्ठानों का बड़ा महत्व है और सर्वाधिक सत्संग होने की वजह से भी यहां के नागरिकों में एक अलग सा उत्साह देखा जाता है। यही वजह है कि यहां सत्संग करने देशभर से सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक कथा वक्ताओं का हमेशा आना लगा रहता हैं। निस्वार्थ सहायता फाऊंडेशन द्वारा आयोजित श्री मद्भागवत महापुराण का समय सायंकाल 5 बजे से 8 बजे रात्रि तक है, आयोजन समिति द्वारा स्थानीय तथा मुंबई सहित आसपास के क्षेत्रवासियों से निवेदन किया है कि सभी सनातनी बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर कथा श्रवण का लाभ लें। मुख्य यजमान के रूप में पं.अनिल तिवारी व साधना तिवारी है, संस्था के पदाधिकारियों के अथक प्रयास से सुसज्जित कथा पांडाल में श्रोताओं के लिए सुविधाओ की उत्तम व्यवस्था की गयी है। संस्था के पदाधिकारियों में अंकित तिवारी, विनीत सिंह,कुशल दूबे,मनोज शांडिल्य,नीरज तिवारी,सूरज पांडे, अजय अनिल तिवारी , शुभम विश्वकर्मा, पंडित आचार्य दिनानाथ शुक्ल एडवोकेट , वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे के साथ नारीशक्ति के रूप में एडवोकेट प्रीति तिवारी व आरती शुक्ला का सराहनीय सहयोग है।

शिवेंद्र सिंह का शव आने का रास्ता हुआ साफ, परिजनों से मिले कृपाशंकर सिंह

जौनपुर। ईरान में 27 मार्च को मर्चेंट नेवी की जहाज पर हुई दुर्घटना में बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित तिलवारी गांव निवासी 22 वर्षीय शिवेंद्र सिंह पुत्र संदीप सिंह की दर्दनाक मौत हो गई थी। वह घर का इकलौता चिराग था। कानूनी प्रक्रिया में फंसने के कारण उसका शव घर नहीं आ पा रहा था। घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल था। पिता संदीप सिंह ने जिलाधिकारी और विदेश मंत्रालय तक अपनी पीड़ा पहुंचाई। अंततः उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह से अपनी पीड़ा बताई। कृपाशंकर ने विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह को मामले से अवगत कराते हुए जल्द से जल्द शिवेंद्र का शव उनके परिवार तक पहुंचाने की अपील की। विदेश मंत्रालय के प्रयासों से उसका शव आने का रास्ता साफ हो गया है। 30 अप्रैल की सुबह शिवेंद्र का शव उसके घर पहुंच जाएगा। उसका शव लेने के लिए संदीप सिंह दिल्ली पहुंच गए हैं। आज कृपाशंकर सिंह ने शिवेंद्र के घर जाकर परिवारवालों को सात्वना देते हुए शोक संवेदना प्रकट की। इस अवसर पर पूर्व आईपीएस अधिकारी राम मोहन सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्यामराज सिंह, भाजपा युवा नेता अखिलेश मिश्र, सत्यम सिंह, धनंजय सिंह, पूर्व प्रधान दिलीप गुप्ता, शिवेंद्र के चाचा प्रदीप सिंह, राम प्रकाश सिंह, अवधेश सिंह, अजय सिंह, विनय प्रचेता समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

मीरा भाईंदर में सामान्य नागरिकों के लिए निःशुल्क सिटीस्कैन सेवा शुरू

-महेंद्र कुमार गुप्ता

मिरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल में सोमवार से शहर के गरीब नागरिकों के लिए मुफ्त सीटी स्कैन सेवा शुरू की गई है। इसमें अधिकांश जानकारी यह है कि सरकार विभिन्न राज्य सरकारी अस्पतालों में सीटी स्कैन की व्यवस्था कर रही है। इसी क्रम में विधायक नरेंद्र मेहता के लगातार प्रयास के चलते मीरा भायंदर में पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल में शहर के गरीब नागरिकों के लिए अस्पताल में सभी प्रकार की निःशुल्क सीटी स्कैन सेवाएं शुरू की गई हैं। इससे मुख्य रूप से टेम्बा अस्पताल में इलाज करा रहे आईपीडी और ओपीडी मरीजों को लाभ मिलेगा। साथ ही, जो नागरिक यहां इलाज नहीं करा रहे हैं, लेकिन सीटी स्कैन सेवाएं चाहते हैं, उन्हें भी उचित और कम मूल्य पर सेवाएं प्रदान की जाएंगी। यह सेवा दिन-रात यानि 24 घंटा जारी रहेगा । यह विकास कार्य राज्य सरकार द्वारा कृष्णा डायग्नोस्टिक्स को सौंपा गया है। इस अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मशीन का उद्घाटन मीरा भायंदर के विधायक नरेंद्र मेहता के कर कमलो द्वारा किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के प्रमुख जफर तड़वी, सदर कृष्णा डायग्नोस्टिक्स, बल्लाल के निदेशक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति समाचार पत्र से जुड़े वसई के जेटकिंग क्लासेज के संचालक ऋषिकेश पांडे

वसई (उत्तरशक्ति)। ऋषिकेश पाण्डेय जो एक प्रमाणित एथिकल हैकर हैं और जेटकिंग कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, वसई के केंद्र प्रमुख हैं। ऋषिकेश पाण्डेय ने तकनीकी क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता और समाज सेवा के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग में कई छात्रों को प्रशिक्षित किया है और उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने में मदद की है। ऋषिकेश पाण्डेय उत्तर प्रदेश जनपद वाराणसी जन्मस्थली छोड़कर छत्रपति शिवाजी महाराज की वीर भूमि मुंबई के नालासोपारा में निवास स्थान है। अपने अथक प्रयास कड़ी मेहनत ईमानदारी से शिक्षा जगत में कीर्तिमान स्थापित किया है। ऋषिकेश पाण्डेय को उत्तर भारतीय मोर्चा, महाराष्ट्र प्रदेश के आईटी सेल का संयोजक नियुक्त किया गया है। इस भूमिका में उन्होंने उत्तर भारतीय मोर्चा के लिए एक वेबसाइट भी बनाई। जिसका उद्घाटन महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और उत्तर भारतीय मोर्चा, महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष संजय पाण्डेय द्वारा किया गया।

उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें छात्रों के बीच एक प्रेरणास्त्रोत बना दिया है। वे हमेशा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं,जिसके लिए उन्हें कई सम्मान भी मिले हैं।

हाल ही में वह दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र के साथ सहयोगी के रूप में जुड़े है। इस नई भूमिका में, ऋषिकेश पाण्डेय अपने अनुभव और ज्ञान का उपयोग करते हुए समाज के मुद्दों को उजागर करेंगे और लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे।

दैनिक उत्तरशक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति और उपसंपादक प्रेमचंद मिश्रा ने उत्तरशक्ति से जुड़ने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है। ऋषिकेश पाण्डेय का जीवन और कार्य न केवल तकनीकी क्षेत्र में बल्कि समाज सेवा में भी एक प्रेरणा का स्रोत है।

प्लास्टिक की बोरी में बंद मिला महिला का कंकाल

हमीरपुर (उत्तरशक्ति)। थानाक्षेत्र के लरौंद गांव के निकट शिहोनाला के पास रविवार को प्लास्टिक की बोरी में कंकाल मिला है। बोरी के अंदर महिला के अंतःवस्त्र व सलवार कुर्ता भी मिला है। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। डीएनए जांच के लिए सैंपल भेजा। पुलिस के अनुसार कंकाल एक साल से अधिक पुराना है। बिवांर थानांतर्गत कुनेहटा चौकी के लरौंद गांव में रविवार की शाम कुछ चरवाहों ने शिहो नाला के रपटे किनारे एक प्लास्टिक की बोरी देखी। खोलकर देखा तो उसमें मानव कंकाल दिखा। इस पर उन्होंने ग्राम प्रधान के पति विष्णुदत्त शिवहरे को दी। सोमवार की सुबह इसकी सूचना पुलिस मौके पर पहुंची। पहनावा देख कंकाल महिला का होने की पुष्टि हुई। मौदहा सीओ विनीता पहल ने बताया कि कंकाल काफी पुराना है। फील्ड यूनिट टीम ने इसके सैंपल लिए गए हैं। इसे डीएनए टेस्ट के लिए भेजा जाएगा। बताया कंकाल के साथ महिलाओं के कपड़े, सलवार, कुर्ती और अंतःवस्त्र के साथ कुछ कांच की चूड़ियां भी मिली हैं। इससे कंकाल महिला का होने का अनुमान है।

ओडिसी इलेक्ट्रिक ने भारत की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक इवोकिस लाइट लॉन्च की

मुंबई। भारत की तेजी से बढ़ती प्रमुख प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने भारत की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक ओडिसी इवोकिस लाइट लॉन्च की है। ओडिसी इवोकिस लाइट एक आकर्षक इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है, जिसे खासतौर पर उन युवाओं और राइडिंग प्रेमियों के लिए तैयार किया गया है, जो रोमांच के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभाना चाहते हैं। इसकी शुरुआती कीमत रुपये रखी गई है। इसमें 60 वोल्ट की बैटरी लगी है, जो 75 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार तक और एक बार चार्ज करने पर 90 किलोमीटर तक का सफर तय करने में सक्षम है। यह बाइक लंबे खुले रास्तों पर बिना प्रदूषण के शानदार सफर का अनुभव देती है।

इस लॉन्च के अवसर पर ओडिसी इलेक्ट्रिक के संस्थापक नेमिन वोरा ने कहा, इस लॉन्च के साथ हम रोमांचक राइड्स को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना रहे हैं। यह प्रदर्शन और किफायत का एक बेहतरीन मेल है, जिसे उन लोगों के लिए तैयार किया गया है जो रोमांच से समझौता नहीं करना चाहते और साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुँचाना चाहते। इस लॉन्च के साथ ओडिसी इलेक्ट्रिक ने सस्टेनेबल मोबिलिटी (टिकाऊ परिवहन) को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई यह बाइक बेहतरीन प्रदर्शन और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ तैयार की गई है। कंपनी एक के बाद एक इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिये अपनी गति से आगे बढ़ने के संकल्प पर कायम है।

डोली उठने से पहले दुल्हन की उठ गई अर्थी, छज्जा गिरने से दुल्हन समेत दो की मौत

हरदोई। कहते हैं कि इंसान कितना भी कुछ कर ले पर ईश्वर के आगे किसी का बस नहीं है। यह बात सही साबित होती दिखाई पड़ रही है। दरअसल, सोमवार की सुबह प्रधानमंत्री आवास का छज्जा एका-एक गिर गया जिससे दुल्हन समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। महज शादी से दो दिन पहले हुई इस घटना से इलाके में गम का माहौल व्याप्त हो गया है।

आप को बता दें कि हरदोई जिले के अतरौली थाना इलाके में दर्दनाक हादसा हो गया। डोली उठने से पहले होने वाली दुल्हन समेत दो लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गए जिनका इलाज सीएचसी में किया जा रहा है। शादी की तैयारियों के बीच अचानक दरवाजे का छज्जा गिरने से दोनो की की मौत हो गई। लोग बोले भगवान आप ने अच्छा नहीं किया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अतरौली थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव निवासी परशुराम के घर में बेटी उनकी 18 वर्षीय बेटी अंजनी की शादी 30 अप्रैल को होनी थी। शादी की तैयारियों में परिवार और रिश्तेदार व्यस्त थे। सोमवार को अंजनी और गीता देवी उनका बेटा सुभाष के साथ रिश्तेदार सपना निवासी वजिदनगर जिला सीतापुर आवास के दरवाजे के पास बैठकर शादी से संबंधित बातचीत कर रहे थे इसी दौरान अचानक दरवाजा का छज्जा भरभरा कर गिर गया और चारों उसके नीचे दब गए। सतेन्द्र कुमार सिंह सीओ सण्डीला हरदोई बताया कि शोरगुल सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े और मलवा हटाकर सभी को बाहर निकाला। गंभीर हालत को देखते हुए चारों को तत्काल एंबुलेंस से सीएचसी कोथावां ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अंजनी को मृत घोषित कर दिया जबकि इलाज के दौरान सपना की भी मौत हो गयी। विधिक कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे की जांच की जा रही है।

सीमा हैदर को नहीं जाना होगा पाकिस्तान, इस वजह से सरकार ने दी राहत

नोएडा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए देश में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए हैं और उन्हें भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। हालांकि, इस सख्त फैसले के बीच सीमा हैदर को बड़ी राहत मिलती दिख रही है।

सीमा हैदर को पाकिस्तान वापस नहीं भेजा जाएगा। इसकी दो मुख्य वजहें हैं। पहली, सीमा ने भारत में हिंदू रीति-रिवाजों के साथ सचिन मीणा से विवाह किया है और भारतीय जीवनशैली को अपना चुकी है। दूसरी, हाल ही में सीमा ने एक बेटी को जन्म दिया है, जिसका नाम 'भारती मीणा' रखा गया है।

इसके अलावा, सीमा ने भारतीय नागरिकता के लिए याचिका भी दायर कर रखी है, जो फिलहाल भारत सरकार और राष्ट्रपति के पास लंबित है। जब तक इस याचिका पर अंतिम फैसला नहीं होता, तब तक उन्हें पाकिस्तान भेजने का सवाल ही नहीं उठता। सीमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अपील करते हुए कहा है, ?मैं पाकिस्तान की बेटी थी, अब भारत की बहू हूं। मुझे भारत में रहने की इजाजत दी जाए।सीमा के वकील एपी सिंह ने भी जोर दिया कि अब सीमा की नागरिकता उनके भारतीय पति के साथ जुड़ी हुई है और उन पर पाकिस्तानी नागरिकों के लिए जारी निकासी आदेश लागू नहीं होना चाहिए। भारत सरकार ने कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक में निर्णय लिया कि सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा 27 अप्रैल से रद्द किए जाएंगे। केवल मेडिकल वीजा पर आए लोगों को 30 अप्रैल तक का समय दिया गया है। शॉर्ट टर्म वीजा वाले पाकिस्तानी नागरिकों को पहले ही भारत छोड़ने का आदेश दिया जा चुका है। सीमा हैदर 2023 में नेपाल के रास्ते भारत आई थीं। पाकिस्तान के कराची से निकलकर वह नेपाल पहुंचीं और फिर भारत में दाखिल हुईं। वे ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में सचिन मीणा के साथ अपने चार बच्चों के साथ रह रही हैं। दोनों की पहचान 2019 में ऑनलाइन गेम के जरिए हुई थी। जुलाई 2023 में भारतीय एजेंसियों ने सीमा को हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई।अब सीमा और सचिन भारत में स्थायी नागरिकता के लिए इंतजार कर रहे हैं।

यूपी सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को चुन-चुन कर किया बाहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आए पाकिस्तानी नागरिकों को पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर देश से बाहर कर दिया गया है। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश और पल-पल निगरानी का नतीजा है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 24 घंटे के अंदर, प्रदेश में रह रहे लगभग सभी पाकिस्तानी नागरिकों को बाहर कर दिया गया है। बयान के अनुसार अंतिम एक पाकिस्तानी नागरिक को बुधवार को वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसी द्वारा लगातार उस पर नजर रखी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से यह सुनिश्चित करने को कहा था कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक निर्धारित समयसीमा से अधिक समय देश में न रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिलों में अल्पकालिक वीजा पर रह रहे लगभग सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि एलटीवी (दीर्घकालिक वीजा) के सम्बन्ध में मुख्यालय द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि जो पाकिस्तानी नागरिक जिले में एलटीवी पर हैं, वे ही यहां रह सकेंगे। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। बयान के मुताबिक, केंद्र सरकार के निर्देश के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। योगी ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रदेश से बाहर करने के साथ उन्हें उनके देश रवाना किया जाए। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये थे कि पाकिस्तानी नागरिक वापस अपने देश ही जाएं, इसके लिए उनके साथ पुलिस दल को भी भेजा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने वतन लौट गये हैं। योगी के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों को अलर्ट करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिये गये। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार के हवाले से बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश के 75 जिलों में पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें वापस भेजने की व्यवस्था की गयी। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश में रह रहे शार्ट-प्रतिष्ठित पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों की वतन वापसी को पुख्ता करने के लिए विभिन्न जिलों से पाकिस्तानी नागरिकों के साथ स्थानीय पुलिस दल को भी भेजा गया। डीजीपी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में केवल एक पाकिस्तानी नागरिक रह रहा है, जिसे 30 अप्रैल को वापस भेज दिया जाएगा।

फ्लाइट में महिला ने मचाया हंगामा, कपड़े उतारकर की गंदी हरकत, लोग हो गए हैरान-परेशान

शिकागो। फिलाडेल्फिया से शिकागो जा रही साउथवेस्ट एयरलाइंस की फ्लाइट में शनिवार को एक महिला यात्री द्वारा की गई शर्मनाक हरकत ने हड़कंप मचा दिया। महिला ने विमान के बीच हवा में अपने कपड़े उतार दिए और अपनी सीट पर ही शौच कर दिया। यह घटना उन यात्रियों के लिए बेहद चौंकाने वाली थी जो उड़ान के दौरान शांति से यात्रा कर रहे थे। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना साउथवेस्ट एयरलाइंस की फ्लाइट 418 में हुई, जब महिला ने बिना किसी चेतावनी के अपने कपड़े उतारकर सीट पर गंदगी कर दी। यह महिला फ्लाइट का हिस्सा नहीं थी, बल्कि एक सामान्य यात्री थी जो चौंकाने वाली हरकत के बाद विवाद का कारण बनी। बता दें कि इससे पहले पिछले साल जनवरी में भी एक 60 साल की महिला का प्लेन में उड़ान दौरान कपड़े उतार कर हंगामा करने का वीडियो वायरल हुआ था।

घटना के बाद, एयरलाइंस को फ्लाइट को पूरी तरह से साफ करने के लिए कई घंटे की आवश्यकता पड़ी, जिसके कारण फ्लाइट की सर्विस ठप हो गई। इसी दौरान, साउथवेस्ट एयरलाइंस ने एक बयान जारी किया और यात्रियों से इस असुविधा के लिए माफी मांगी। एयरलाइंस ने कहा कि उनके लिए यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा और सुरक्षा सर्वोपरि है। बयान में कहा गया, रहम इस घटना से बेहद दुखी हैं और हमारे टीम के सदस्यों के पेशेवर रवैये की सराहना करते हैं। हम पूरी तरह से प्रभावित यात्रियों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें हुई देरी और असुविधा के लिए खेद व्यक्त कर रहे हैं।

पुलिस और मेडिकल टीम ने फ्लाइट के शिकागो एयरपोर्ट पर लैंड होते ही घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि महिला के खिलाफ क्या कानूनी कार्रवाई की गई। यह पहली बार नहीं था जब साउथवेस्ट एयरलाइंस में ऐसी घटना हुई हो। पिछले महीने भी एक अन्य यात्री ने फ्लाइट के दौरान अपने कपड़े उतार दिए थे। इसके अलावा, फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट में भी एक यात्री ने खिड़की तोड़ने की कोशिश की थी, जिससे विमान में खलबली मच गई थी। साउथवेस्ट एयरलाइंस की ओर से दिए गए बयान में यह भी बताया गया कि सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं और किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है।

प्रजापति समाज मुंबई के संस्थापक सदस्य पं. रामबूझ प्रजापति का निधन

प्रजापति समाज को अपूरणीय क्षति

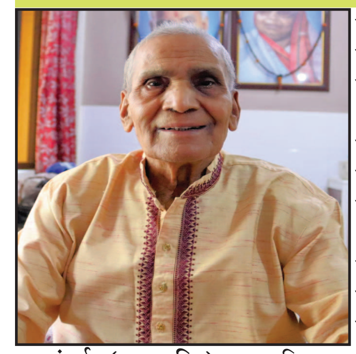

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज मुंबई के संस्थापक सदस्य पं. रामबूझ प्रजापति का शुक्रवार, दिनांक 25 अप्रैल 2025 को नवी मुंबई स्थित अपने निवास राधा सदन, प्लॉट नं. 48, सेक्टर-10, सानपाडा में दुःखद निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। सेवानिवृत्ति के बाद (एमटीएनएल) उन्होंने सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई और विक्रोली-पार्कसाइट स्थित अपने निवास से ही प्रजापति समाज मुंबई की स्थापना की थी। समाज के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा और समर्पण ने उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया।

उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं और संबंधियों ने भाग लिया। अंतिम संस्कार शनिवार, 26 अप्रैल 2025 को सानपाडा, नवी मुंबई के श्मशान भूमि में संपन्न हुआ। पं. रामबूझ प्रजापति मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जनपद अम्बेडकर नगर, ग्राम चिलवनिया, नगपुर-जलालपुर, अकबरपुर के निवासी थे। वे अपने पीछे पुत्र, पुत्रियां, बहुएं एवं नाती-पोतों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी सेवा भावना और समाजिक कार्यों की प्रेरणा समाज के बीच सदैव अमिट रहेगी। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें। शव यात्रा में प्रजापति समाज मुंबई के अलाव सगे, संबंधियों व ईष्ट मित्रों ने भाग लेकर शोक संवेदना व्यक्त किया।

कांदिवली में सर्व धर्मी और सर्व दलीय प्रार्थना सभा में पहलगाम में मारे गए निष्पाप नागरिकों को दी गई श्रद्धांजलि

कांदिवली, मुंबई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए बर्बर हमले में मारे गए निष्पाप नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कांदिवली में सर्व धर्मी और सर्व दलीय प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। पंचशील प्रतिष्ठान ट्रस्ट की ओर से पूर्व मंत्री विजय (भाई) गिरकर के मार्गदर्शन में कांदिवली के समता क्रीडा भवन में आयोजित इस सर्व धर्मी और सर्वदलीय प्रार्थना सभा में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी सहित विभिन्न धर्मों के धर्म गुरुओं ने उपस्थित रहकर उस दुःखद घटना में मारे गए पर्यटकों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने अपनी बांह पर काला फीता बांधकर उस दुःखद घटना पर शोक प्रकट किया। इस प्रार्थना सभा में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ फादर एन्जोलो, बुद्ध भंते लामा, भंते कश्यप, बोहरा समाज के अमीन साहेब, शेख जुझरभाई बोरीवाला, जैन समाज के मुनिवर्य प.पू. पारिजात विजय महाराज, वैष्णव समाज के पूज्यपात १०८ श्री. गोपीशकुमार महाराज, सिख समाज के मनमोहन सिंह और सन्तोक सिंह उपस्थित थे। इन सभी ने दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर देश में शांति, एकता और मानवता का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गणेश खणकर, शिवसेना विभागप्रमुख विशाखा मोर्ये, शाखा प्रमुख प्रकाश गिरी, कॉग्रेस जिला उपाध्यक्ष मिलिंद शिर्के, राष्ट्रवादी कॉग्रेस की स्मिता बेंद्रे, पंचशील प्रतिष्ठान ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय बाविस्कर, पूर्व नगरसेवक दिपक (बाळा) तावडे, पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव, डा. प्रतिभा गिरकर सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सर्व धर्मीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रूसी राष्ट्रपति का जंग के बीच बड़ा कदम, यूक्रेन में तीन दिन संघर्षविराम का किया ऐलान

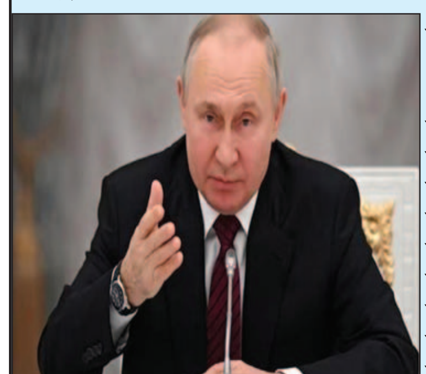

रूसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध के बीच एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि 8 मई से 10 मई 2025 तक यूक्रेन में तीन दिन का संघर्षविराम (डींश्रप्रश्री लागू रहेगा। क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) ने स्पष्ट किया है कि रूस ने एकतरफा संघर्षविराम की पेशकश की है और उम्मीद जताई है कि यूक्रेन भी इस संघर्षविराम का पालन करेगा। लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी है कि अगर यूक्रेन ने इस दौरान कोई भी युद्धविराम उल्लंघन किया, तो रूस जवाबी कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेगा। इस संघर्षविराम की घोषणा का विशेष महत्व है क्योंकि 9 मई को रूस में विजय दिवस' मनाया जाता है। यह दिन द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी के खिलाफ सोवियत संघ की जीत की याद में हर साल बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। रूस में यह दिन राष्ट्रीय गौरव और बलिदान की भावना से जुड़ा हुआ है। इस मौके पर बड़े पैमाने पर परेड, श्रद्धांजलि कार्यक्रम और सांस्कृतिक आयोजन होते हैं। इसलिए रूस ने तय किया है कि युद्ध के बीच कम से कम इन तीन दिनों तक गोलाबारी और हिंसा पर विराम लगाया जाए। रूस ने संघर्षविराम की घोषणा तो कर दी है, लेकिन अब सबकी नजर यूक्रेन की प्रतिक्रिया पर टिकी है। क्या यूक्रेन भी इस युद्धविराम का सम्मान करेगा? या फिर हालात वैसे ही तनावपूर्ण बने रहेंगे? यूक्रेन की तरफ से इस घोषणा पर अब तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस के इस संघर्षविराम प्रस्ताव को शांति की दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। अगर दोनों देश इस पहल का सम्मान करते हैं तो यह भविष्य में किसी बड़े शांति समझौते की ओर बढ़ने का रास्ता भी खोल सकता है। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी होगी कि केवल तीन दिन की शांति से हालात स्थायी रूप से बदल जाएंगे।

पथारे प्रभु क्रिकेटर टीम ने मुंबई वांडर्स शिवाजी पार्क को 112 रनों से हराया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। यंग जोराष्ट्रीयन विकेट आजाद मैदान में रविवार को खेले गए 45 ओवर के मुकाबले में पथारे प्रभु क्रिकेटर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई वांडर्स शिवाजी पार्क टीम को 112 रनों से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पथारे प्रभु टीम ने निर्धारित 45 ओवरों में 239 रन बनाए। टीम की ओर से जीत सिंह ने सर्वाधिक 94 रन बनाए, वहीं देवांग गुप्ता ने 58 और ओंकार जैकर ने 41 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। जवाब में मुंबई वांडर्स शिवाजी पार्क की पूरी टीम लक्ष्य का आधा भी पीछा नहीं कर सकी और सस्ते में ढेर हो गई। पथारे प्रभु टीम के फिरकी गेंदबाज संगम वातकर ने घातक गेंदबाजी करते हुए 8 ओवर में मात्र 17 रन देकर 5 विकेट झटके। टीम के कोच सुजीत सिन्हा ने जीत पर प्रसन्नता जताते हुए कहा, हमारी टीम न केवल मुंबई में, बल्कि अन्य शहरों में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मुझे उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी भविष्य में रणजी ट्रॉफी और आईपीएल जैसे बड़े मंचों तक पहुंचेंगे। पथारे प्रभु टीम की इस शानदार जीत से उनका मनोबल और आत्मविश्वास दोनों ही काफी बढ़ा है, और वे आगामी मुकाबलों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने को तत्पर हैं।

दैनिक बाजार कर वसूली की अवधि को तत्काल रद्द करें : महेश सरवणकर

वसई-विरार। वसई-विरार महानगरपालिका ने दैनिक बाजार कर वसूली करने वाले ठेकेदार को बिना टेंडर प्रक्रिया किए ही तीन महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। वसई-विरार महानगरपालिका की कार्यप्रणाली संदिग्ध है और दैनिक बाजार कर वसूली करने वाले ठेकेदार को महानगरपालिका द्वारा दिए गए तीन महीने के एक्सटेंशन को तत्काल रद्द करने की मांग भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर ने वसई-विरार महानगरपालिका आयुक्त से की है।

वसई-विरार नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में दैनिक बाजार कर संग्रह एक ठेकेदार के माध्यम से किया जाता है। उक्त ठेकेदार का अनुबंध समाप्त हो चुका है और नगर पालिका ने ठेकेदार को तीन माह का विस्तार दिया है। इस आशय का एक पत्र मार्केट टैक्स डिप्टी कमिश्नर अजीत मुथे द्वारा ठेकेदार को दिया गया है। वसई-विरार महानगरपालिका ने पुराने ठेकेदार को बाजार कर वसूली के लिए टेंडर जारी करने की समयसीमा बढ़ा दी है, जिससे महानगरपालिका की कार्यप्रणाली पर संदेह पैदा हो गया है। वसई-विरार महानगरपालिका वार्ड समिति 'एच' क्षेत्र में दैनिक बाजार कर की वसूली के संबंध में श्री अंजलि ट्रेडर्स को तीन महीने की मोहलत दी गई है। मई। अंजलि ट्रेडर्स को पहले 16 जुलाई 2023 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि के लिए दैनिक बाजार कर के संग्रह के लिए एक अनुबंध दिया गया था। हालाँकि, चूंकि इसकी अवधि 31 मार्च 2025 को समाप्त हो गई थी, इसलिए नगर निगम को एक नया टेंडर जारी करना आवश्यक था। हालांकि नगर निगम के बाजार कर संग्रह विभाग ने नया टेंडर जारी किए बिना ही उसी ठेकेदार को तीन महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। नया टेंडर जारी किए बिना ठेकेदार को समय सीमा बढ़ाने का क्या कारण है? क्या ठेकेदार और नगर निगम अधिकारियों के बीच हितों का टकराव है? यदि बाजार कर संग्रहण ठेकेदार को घाटा हुआ तो उसने संग्रहण का ठेका क्यों लिया? ऐसे कई सवाल उठ रहे हैं। इसलिए वसई-विरार शहर में दैनिक बाजार कर वसूली के लिए ठेकेदार को दिया गया विस्तार तत्काल रद्द किया जाए और नई निविदा प्रक्रिया आयोजित की जाए। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने तक दैनिक बाजार कर वसई-विरार महानगरपालिका के कर्मचारियों के माध्यम से वसूला जाना चाहिए। मनपा के संबंधित बाजार कर वसूली विभाग के कर्मचारी और अधिकारी जो टेंडर प्रक्रिया नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ऐसा भी महेश सरवणकर ने मनपा को दिए एक बयान में कहा है।

अमेरिका में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीयों का उग्र प्रदर्शन

वाशिंगटन। पहलगाम आतंकवादी हमलों के विरोध में अमेरिका में भारतीय प्रवासी पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास और टाइम्स स्क्वायर के बाहर एकत्र हुए और पाकिस्तानकी आतंकी गतिविधियों के खिलाफ रोष व्यक्त किया । प्रदर्शनकारी भारतीय तिरंगा लहरा रहे थे और बैनर थामे हुए थे जिन पर लिखा था ह्यइस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करो, पहलगाम हिंदू नरसंहार'। उन्होंने एक लंबा बैनर भी पकड़ रखा था, जिस पर आतंकवादी हमले के 26 पीड़ितों की तस्वीरें थीं। इसके साथ ही बैनर पर ह्यहिंदू जीवन मायने रखता है', ह्यआतंकवाद को अभी समाप्त करें', ह्यइस्लामिक आतंकवाद - आज ही समाप्त करें', बस बहुत हो गया' जैसी पंक्तियां भी लिखी थीं। ये विरोध प्रदर्शन 27 अप्रैल को आयोजित किए गए थे और न्यूयॉर्क में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के बाहर जिहादी आतंकवाद के खिलाफ एक अंतर-धार्मिक जुलूस भी निकाला गया था। इस दौरान प्रवासी समुदायों के सदस्यों ने भारतीय और इजराइली झंडे लहराए थे, संयुक्त रूप से आतंकवाद की निंदा की थी और दुनिया से सामूहिक रूप से आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत संदेश भेजने का आह्वान किया था। एक हिन्दू पुजारी ने हमले के पीड़ितों के लिए शांति की प्रार्थना की तथा समुदाय के सदस्यों ने पहलगाम हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा। ह्यएक्स' पर एक पोस्ट में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें साझा कीं और कहा ह्लटाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में संवेदना और विरोध। पोस्ट में कहा गया, ह्लपहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त करने और आलोचना के लिए बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्य तथा भारत के मित्र टाइम्स स्क्वायर पर एकत्र हुए। सभा में पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। एक अन्य पोस्ट में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा, क्वींस, न्यूयॉर्क में दाऊदी बोहरा समुदाय ने जम्मू-कश्मीर में दुखद पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता में एक प्रार्थना सभा आयोजित की। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे।

सरपतहां में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के अशोकपुर खुर्द गांव में बीती रात एक विवाहिता ने घर के बड़ेरी पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका की पहचान 22 वर्षीय सपना उर्फ लक्ष्मी पत्नी दीपक के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। बताया जाता है कि मृतका का पति दीपक रोजी-रोटी के सिलसिले में दिल्ली रहता है। घर में बूढ़ी सास जो आंखों से देख नही पाती है और दो छोटी ननदें हैं। विवाहिता की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। महिला ने फांसी क्यों लगाई।

इसका कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में तरह तरह की चर्चा चल रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि मृतका का शव अन्त्य परीक्षण हेतु भेज दिया गया है। मामले में मायके पक्ष की तरफ से कोई तहरीर नही दी गई है। प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।